नई दिल्ली ■ बुधवार 01 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 03 ■ पृष्ठ 08

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 संकट की घड़ी में मददगार है साथ हिन्दुस्तान का | 07 अभय और अनाहत ने एशियाई स्क्वाश 2025 के पुरस्कार जीते | अलिया का पत्ता साफ! 'राजी' रीमेक में यामी गौतम... 08

प्रधानमंत्री ने गुजरात को दी बीस हजार करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात

वाव-थराद। गुजरात के वाव-थराद में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण किया।

इन परियोजनाओं में सड़क, रेलवे, ऊर्जा, शहरी विकास, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, पर्यटन और ग्रामीण विकास जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं, जिनका उद्देश्य क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करना और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देना है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने वैश्विक परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक महीने में दुनिया के कई हिस्से युद्ध, अशांति और अस्थिरता से जूझ रहे हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया की स्थिति ने ऊर्जा संकट को जन्म दिया है, जिसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में भारत ने स्थिरता बनाए रखी है, जो देश की मजबूत विदेश नीति और नागरिकों की एकता का परिणाम है।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप

लगाया कि कुछ राजनीतिक दल इस कठिन समय में भी विभाजनकारी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता एकजुटता बढ़ाने के बजाय भय और अफवाह फैलाने में लगे हैं, जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है। विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात में गांव-गांव को बेहतर सड़कों से जोड़ा गया है और आधुनिक हाई-स्पीड हाईवे का निर्माण किया गया है।

उन्होंने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेन सेवाएं भी राज्य को मिल रही हैं, जिससे यात्रा सुविधाजनक और तेज हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि "पंचायत से पार्लियामेंट तक जब तक जनता का विश्वास बना रहेगा, विकास की सुपरफास्ट एक्सप्रेस इसी गति से आगे बढ़ती रहेगी। प्रधानमंत्री ने उत्तर गुजरात के पुराने हालात को याद करते हुए कहा कि एक समय यह क्षेत्र सूखा और अकाल के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा कि उस दौर में कांग्रेस सरकारों द्वारा क्षेत्र की उपेक्षा की गई, जिसके कारण लोगों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता था और जीवन संघर्षपूर्ण था। उन्होंने कहा कि आज विकास परियोजनाओं के कारण इस क्षेत्र की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।

5 राज्यों को जल जीवन मिशन 2.0 के तहत 1,561 करोड़ रुपये जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में ग्रामीण घरों तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन 2.0 के तहत पांच राज्यों को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए फंड जारी कर दिए हैं। केंद्रीय कैबिनेट से 10 मार्च को मंजूरी मिलने के बाद यह राशि राज्यों को आवश्यक अनुपालन शर्तें पूरी करने पर दी गई है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्य प्रदेश को कुल 1,561.53 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसमें उत्तर प्रदेश को 792.93 करोड़, छत्तीसगढ़ को 536.53 करोड़, मध्य प्रदेश को 154.02 करोड़, ओडिशा को 65.31 करोड़ और महाराष्ट्र को 12.74 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

कैबिनेट ने जल जीवन मिशन 2.0 के लिए कुल 8.69 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जिसमें केंद्र का हिस्सा 3.59 लाख करोड़ रुपये है। यह 2019-20 में स्वीकृत 2.08 लाख करोड़ रुपये से 1.51 लाख करोड़ रुपये अधिक है। नया ढांचा सेवा वितरण आधारित मॉडल पर केंद्रित है, जिसमें स्थायी और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संरचनात्मक सुधार किए गए हैं।

नालंदा शीतला माता मंदिर में भगदड़ से 9 लोगों की मौत

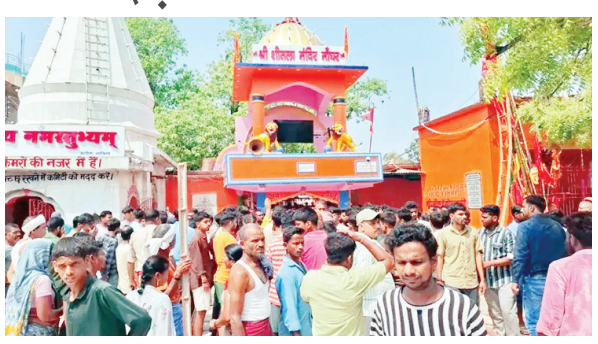

पटना। बिहार में नालंदा जिले के शीतला माता मंदिर में भगदड़ में 9 लोगों की अबतक मौत हो गई है, जबकि 7 लोग घायल हुए हैं। नालंदा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बताया कि गर्मी और भीड़ की वजह से घटना हुई है। हादसे की जांच के लिए गठित एसआईटी ने छानबीन शुरू कर दी है। एसपी भारत सोनी के अनुसार, अत्यधिक गर्मी और भारी भीड़ इस हादसे की मुख्य वजह रही। उन्होंने बताया कि ठंडे पानी में स्नान के बाद जब महिलाएं मंदिर परिसर में प्रवेश कर रही थीं, तभी दम घुटने और पानी की कमी के कारण कई महिलाएं बेहोश होकर गिरने लगीं। इससे अफरा-तफरी मच गई और भीड़ बेकाबू हो गई, जिसके चलते यह दुखद घटना घटी। एसपी ने बताया कि हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। भीड़ में दबने से श्रद्धालुओं की मौत हुई है, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। उन्होंने कहा कि मंदिर में पहले से चौकीदारों की तैनाती थी, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में भीड़ आने की पूर्व सूचना नहीं थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन कर दिया गया है। एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंच गई है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की लापरवाही सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी (डीएम) कुंदन कुमार ने बताया कि घटना के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। मृतकों के परिजनों को 6-6 लाख रुपये मुआवजा दे दिया गया है। अब तक 9 में से 7 मृतकों की पहचान हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि 7 घायल लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें से सभी की हालत स्थिर है, जबकि एक को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है।

CBI ने MCD उपायुक्त और प्रशासी अधिकारी को रिश्वत लेते पकड़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के शाहदरा उत्तरी जोन में तैनात प्रशासी अधिकारी गौतम और उपायुक्त अभिषेक मिश्रा को चार लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने 30 मार्च को प्रशासी अधिकारी गौतम के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप था कि उन्होंने उपायुक्त अभिषेक मिश्रा की ओर से शिकायतकर्ताओं से चार लाख रुपये की घूस मांगी थी, ताकि उनकी जांच रिपोर्ट को सक्षम प्राधिकारी के पास अनुकूल रूप से भेजा जा सके।

आईएएस रिंकू सिंह ने दिया इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही ने मंगलवार को अचानक अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। आईएएस रिंकू सिंह राही ने इसे अपना नैतिक निर्णय बताया है। वे वर्तमान में राजस्व परिषद से संबद्ध चल रहे हैं। आईएएस रिंकू सिंह राही ने राष्ट्रपति को भेजे इस्तीफे में लिखा है कि आठ माह पहले शाहजहांपुर में एसडीएम रहते हुए एक कार्रवाई के बाद उन्हें साइडलाइन कर दिया गया। तबसे उन्हें न तो फील्ड पोस्टिंग दी जा रही थी और न ही कोई गरिमापूर्ण कार्य सौंपा जा रहा था।

लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर पाकिस्तान सीमा पर नए डीजीएमओ होंगे

नई दिल्ली। भारतीय सेना में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। अब लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर पाकिस्तान सीमा पर नए डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) होंगे। वह उत्तर-पूर्व में सेना की स्पीयर कॉर्प्स की कमान संभालने वाले अनुभवी अधिकारी हैं। मौजूदा डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रेटेजी) के तौर पर जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे बदलते युद्ध के माहौल में ऑपरेशनल स्ट्रेटेजी को एक नई दिशा मिलेगी।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई अक्टूबर, 2024 में डीजीएमओ नियुक्त हुए थे। वे सेना के अभियानों,

खुफिया समन्वय और पाकिस्तान के साथ सीजफायर वार्ता में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना ने पिछले साल मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरानआतंकी ठिकानों को नष्ट किया, जिसके बाद पाकिस्तान ने सीजफायर की गुहार लगाई थी। उन्होंने अपने सैन्य करियर की शुरुआत 1989 में कुमाऊं रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करके की।

नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। देश-विदेश की क्रूज पर नौकरी दिलाने, मेडिकल फिटनेश चेकअप कराने, वर्क आर्डर व वीजा दिलवाने के बहाने धोखाधड़ीकरने वाले एक फर्जी कॉल सेन्टर का भंडाफोड़.करते हुए थाना सेक्टर-63 एवं साइबर टीम ने संयुक्त प्रयास से 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 4 लैपटाप, 11 मोबाइल फोन व 9 विभिन्न बैंकों के डेबिट कार्ड, 12 हजार नकद रुपये व 9 ऑफिसियल ऑफर लेटर, 3 सेट स्क्रिप्ट व पिच, 1 प्रति मेडिकल सेंटर, 1 मेडिकल रेफरल लेटर, 5 सेट मेडिकल सर्टिफिकेट, 6 वर्क कैंडिडेट कालिंग लिस्ट सहित अन्य सामान बरामद किया है।

एडीसीपी सेन्ट्रल नोएडा आरके गौतम ने बताया कि धोखाधड़ी के शिकार हुए कुछ युवकों ने पुलिस से शिकायत की थी कि क्रूज पर नौकरी दिलाने के नाम पर उनसे धोखाधड़ी की गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही थाना सेक्टर-63 पुलिस व साइबर टीम के संयुक्त प्रयास से एच-90 सेक्टर-63 नोएडा में समुद्री क्षेत्र भर्ती एवं प्रशिक्षण (Sea Zone Recruitment and Training) नामक काल सेन्टर पर छापा मारा गया। उन्होंने बताया कि जांच क्रे दौरान पता चला कि इस काल सेन्टर द्वारा भारी मात्रा में फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। यहां आमजन को क्रूज पर नौकरी देने, मेडीकल फिटनैश चेकअप कराने,वर्क आर्डर व वीजा दिलवाने के बहाने धोखाधडी की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में 4 अभियुक्तगण नितिन कुमार पत्र ओमप्रकाश, विरेन्द्र कुमार पुत्र रामबहादुर, अमन कुमार पुत्र रामकुमार तथा सचिन कुमार पुत्र ओमप्रकाश को गिरफ्तार किया गया।

एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान अभियुक्तों द्वारा सोशल मीडिया (फेस बुक, इस्ट्राग्राम व अन्य ऐप्प आदि) के माध्यम से अपनी फर्म के विषय में प्रचार-प्रसार करके देश-विदेश की क्रूज पर नौकरी देने, मेडीकल फिटनैश चेकअप कराने,वर्क आर्डर व वीजा दिलवाने के बहाने लडकों व लडकियों को अपनी बातों मे फंसाकर उनसे किस्तों में मेडिकल चेकप के लिये 10 हजार रुपये व ट्रेनिंग कराने के बहाने 45 हजार रुपये व वर्क आर्डर व वीजा दिलवाने में सहायता करने के नाम पर 25 हजार रुपये ट्रांसफर व कैश के रुप मे लेते थे तथा पैसा लेने के बाद हम लोग अपने मोबाइल को बन्द कर देते थे व आफिस अन्य स्थान पर शिप्ट कर लेते थे।

अभियुक्तों ने पुलिस को बताया है कि वर्तमान समय फर्म का जीएसटी नम्बर नहीं मिला है जिसके कारण पैसा अपने व अपने साथियों के बैंक खातों में लेते थे। इस मामले में पुलिस अन्य अभियुक्तों की तलाश कर रही है।

नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम-हरौला में 9वें वाटर एटीएम का किया शुभारंभ

नोएडा। औद्योगिक शहर नोएडा के निवासियों को गर्मी के मौसम में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में प्रयासरत नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कृष्णा करूणेश के निर्देश पर जल विभाग द्वारा सीएसआर फंड के माध्यम से ग्राम-हरौला, सेक्टर-4/5 के समीप आज नवनिर्मित 9वें वाटर एटीएम का उद्घाटन विधायक पंकज सिंह द्वारा किया गया। इस वाटर एटीएम को प्रातः 7 से 12 बजे तक तथा सांय 5 से रात 8 बजे तक प्रतिदिन चलाया जायेगा।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि हरौला क्षेत्र के निवासियों द्वारा इस वाटर एटीएम से आम जनमानस को स्वच्छ शीतल पेयजल आपूर्ति निःशुल्क प्रदान की जायेगी। इस वाटर एटीएम की क्षमता 1200 लीटर प्रति घंटा है। जो लोगों को आरो के मानक के अनुसार स्वच्छ जल प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि जल विभाग द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिसॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के तहत स्थापित इस एटीएम में कई शुद्धिकरण प्रक्रिया का प्रयोग किया गया है, जिसमें फिल्ट्रेशन कार्य, 5-10 माइक्रोन फिल्ट्रेशन और फिल्ट्रेशन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त जल की कठोरता, फ्लोराइड, क्लोराइड और अन्य अशुद्धियों को दूर करने के लिए रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) तकनीक का भी उपयोग किया गया है। यह वाटर एटीएम स्वचालित कार्ड संचालित प्रणाली से लैस है, जो प्रति कार्ड 20 लीटर पानी वितरित कर सकता है। साथ ही, एक लीटर ठंडे और शुद्ध पेयजल के लिए अलग से वेंडिंग मशीन की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि जल विभाग द्वारा नोएडा क्षेत्र में अब तक 9 अदद् वाटर एटीएम को सीएसआर फंड से निर्मित कर जनमानस को समर्पित किया जा चुका है। इस वाटर एटीएम को प्रातः 7 बजे से 12 बजे तक एवं संध्या 5 बजे से 8 बजे तक प्रतिदिन निःशुल्क चलाया जायेगा।

सेंचुरियन कप : पांच विकेट से जीती ड्रीम विले टाइगर्स

ग्रेटर नोएडा। सेंचुरियन कप सीजन आठ के लीग मैच में ड्रीम विले टाइगर्स ने जेकेजी वॉरियर्स को पांच विकेट से पराजित किया। यह मुकाबला ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सेंचुरियन क्रिकेट मैदान पर खेला गया। मनीष को मैन ऑफ द मैच चुना गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जेकेजी वॉरियर्स ने टी-20 मुकाबले में पांच विकेट के नुकसान पर 171 रन का स्कोर खड़ा किया। निगम चौधरी ने नाबाद 112 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ड्रीम विले टाइगर्स ने पांच विकेट पर 174 रन बनाकर मैच जीत लिया।

रोली-टीका लगाकर होगा बच्चों का स्वागत, स्कूल चलो अभियान से जुड़ेंगे अभिभावक

▶▶ जिलाधिकारी और सीडीओ प्राथमिक स्कूल मथुरापुर से दिखाएंगे हरी झंडी

ग्रेटर नोएडा। चार ब्लॉकों में संचालित परिषदीय स्कूलों में बुधवार से 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत होगी। जिलाधिकारी मेधा रुपम बच्चों को टीका और फूलों की माला पहनाकर स्कूल में उनका स्वागत करेंगी। प्राथमिक स्कूल मथुरापुर से रैली को हरी झंडी दिखाकर अभियान शुरू किया जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने शिक्षकों को स्कूलों को गुब्बारों से सजाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि बच्चों और अभिभावकों का स्वागत टीका लगाकर किया जाए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में चारों ब्लॉक के स्कूलों में 85 हजार से अधिक विद्यार्थी नामांकित हैं। इस सत्र में एक लाख विद्यार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

दो चरणों में चलेगा अभियान, हर गांव-वार्ड में होगा सर्वे

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान दो चरणों में चलाया जाएगा। इसके लिए अभिभावकों और स्थानीय समुदाय, विद्यालय प्रबंधन समिति और प्रभावशाली व्यक्तियों के जरिए जागरूकता फैलाई जाएगी। अभियान में आउट ऑफ स्कूल बच्चों को चिह्नित किया जाएगा। हर गांव-वार्ड में सर्वे कर छह से 14 साल के हर बच्चे को स्कूल में नामांकित कराया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यू-डायस के ड्रॉप बॉक्स के बच्चों को भी स्कूल से जोड़ना है। उन बच्चों का अभी कोई खास विवरण नहीं है। ड्रॉप बॉक्स के बच्चे अगर विद्यालय में नामांकित हैं तो वास्तविक स्थिति एप के माध्यम से अपडेट की जाएगी।

विधायक ने नवनिर्मित सीवेज सम्पवेल का किया उद्घाटन

नोएडा। नोएडा के ग्राम छलेरा एवं सेक्टर-44 के ए, बी और सी ब्लॉक की सभी सोसायटियों में सीवेज की समस्याओं का स्थायी समाधान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करूणेश के निर्देश पर जन स्वास्थ्य विभाग ने कर दिया है। यहां 419.92 लाख की लागत से नवनिर्मित सम्पवैल का उद्घाटन आज विधायक पंकज सिंह द्वारा किया गया।

नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग क्रे महाप्रबन्धक (जल) ने बताया कि नोएडा क्षेत्र में बढ़ते आबादी घनत्व को देखते हुए सीईओ के निर्देश पर ग्राम छलेरा एवं सेक्टर-44 के ब्लॉक ए, बी, सी व स्थापित सोसाइटीज की सीवेज समस्या के निस्तारण के लिए नवनिर्मित सम्पवैल का उद्घाटन मंगलवार को विधायक पंकज सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि नव निर्मित सम्पवैल की उत्सर्जन क्षमता 10 एमएलडी की है, जिसकी निर्माण लागत 419.92 लाख रुपए है। उन्होंने बताया कि स्थापित सम्पवैल से ग्राम छलेरा एवं सेक्टर-44 के ब्लॉक ए, बी, सी व स्थापित सोसाइटीज में उत्सर्जित सीवेज का निस्तारण सीवेज ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट, सेक्टर-168 में पाइप लाइन द्वारा राइजिंगमेन के माध्यम से किया जा रहा है। नव निर्मित सम्पवेल का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि भविष्य में जनसंख्या बढ़ने के बाद भी सीवेज जाम की समस्या उत्पन्न नहीं होगी। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान नोएडा भाजपा जिलाध्यक्ष महेश चौहान, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, अमित त्यागी एनपी सिंह, पूनम सिंह, चंदगीराम यादव, ओमवीर अवाना सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

युवती के घर से दो लैपटॉप चोरी कर ले गए बदमाश

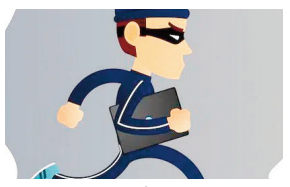

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती के घर से बदमाश दो लैपटॉप चोरी कर ले गए। वारदात के समय पीड़िता अपनी दोस्त के साथ जिम में गई थी। उधर, सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के सर्फाबाद गांव में चोर दुकानदार का मोबाइल चोरी कर ले गया। मोबाइल से यूपीआई की मदद से पांच हजार रुपये भी ट्रांसफर कर लिए।

सेक्टर-71 में रहने वाली मनीषा गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वह दोस्त यशी के साथ किराये के घर में रहती हैं। दोनों 21 मार्च की सुबह जिम करने गईं थीं। वहां से वापस आईं तो कमरे से दोनों के लैपटॉप गायब थे। उन्होंने लैपटॉप को आसपास ढूंढा, लेकिन लैपटॉप नहीं मिले। मनीषा ने फेज-तीन थाने में मुकदमा दर्ज कराया।सेक्टर-73 स्थित सर्फाबाद गांव निवासी कैलाश सती ने पुलिस को बताया कि वह गांव में परचून की दुकान करते हैं। 23 मार्च की रात करीब साढ़े आठ बजे दुकान पर एक चोर ग्राहक बनकर आया। सामान लेकर चला गया। थोड़ी देर बाद दोबारा सामान लेने आए चोर ने कैलाश का मोबाइल चोरी कर लिया। उसके बाद मोबाइल से यूपीआई की मदद से पांच हजार रुपये भी ट्रांसफर कर लिए। अगले दिन नया सिम लेने पर पीड़ति को रकम ट्रांसफर करने का पता चला। पीड़ित ने सेक्टर-113 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस दोनों ही मामलों की जांच कर रही है।

सामाजिक सरोकारों पर राष्ट्र निष्ठा चौपाल में मंथन

ग्रेटर नोएडा । शहर के एक होटल में राष्ट्र निष्ठा चौपाल का आयोजन हुआ। इसमें सामाजिक सरोकारों पर मंथन हुआ। देश और समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में श्रीमद् जगद्गुरु स्वामी वेद पुत्र जी महाराज (भैरव पीठाधीश्वर) ने अपने संबोधन में आध्यात्मिक मूल्यों के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन पर जोर दिया। इस अवसर पर फिल्म अभिनेत्री पूनम ढिल्लों, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एंड क्राइम कंट्रोल काउंसिल के इंटरनेशनल चेयरमैन जयशंकर राय, राजू मेहरा और वरिष्ठ अधिवक्ता आरवी मेहता मौजूद रहे। वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और जन जागरुकता को समय की आवश्यकता बताया।

चालक की संदिग्ध गतिविधियों को देखकर युवती ऑटो से कूदी

ग्रेटर नोएडा। नोएडा के सेक्टर-137 से बुकिंग कर ऑटो में सवार हुई युवती ने चालक पर बदसूलकी करने का आरोप लगाया है।

आरोप है कि चालक की संदिग्ध गतिविधियों को देखकर युवती ऑटो से नीचे कूद गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। सेक्टर-142 थाने की पुलिस के मुताबिक युवती ने बताया कि उसने 25 मार्च को सेक्टर-137 स्थित सोसाइटी से रैपीडो के जरिये ऑटो बुक किया। बुकिंग के बाद चालक ऑटो लेकर मौके पर पहुंचा। युवती ने बताया कि वह जैसे ही ऑटो में सवार हुई तो उसे चालक की गतिविधि संदिग्ध लगी। आरोप है कि ऑटो में एक अन्य युवक भी सवार था। इसके बाद चालक ने तेज गति में इधर-उधर घूमाकर ऑटो को दौड़ाना शुरू कर दिया। युवती डर की वजह से ऑटो से नीचे कूद गई और पुलिस से शिकायत की। इसके बाद आरोपी चालक ऑटो लेकर वहां से भाग गया।

पीड़िता का आरोप है कि बुकिंग के बाद भी आरोपी चालक ऑटो में एक युवक को पहले से साथ में बैठाकर लाया था। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

रुद्र चौहान मंडल फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे

नोएडा। शहर के रुद्र चौहान प्रयागराज में चल रही प्रतियोगिता में मंडल की फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सेक्टर-22 निवासी रुद्र चौहान नोएडा स्टेडियम में खेल की बारीकियां सीख रहे हैं। क्लब स्तर पर अशोका फुटबॉल के कप्तान हैं। वह लेफ्ट के पॉजिशन से खेलते हैं। नोएडा स्टेडियम के मुख्य प्रशिक्षक अनादि बरुआ ने बताया कि प्रयागराज में खेली जा रही प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश टीम में भी जगह मिल सकती है। रुद्र चौहान एक बेहतर खिलाड़ी है। भविष्य में इस खिलाड़ी से काफी उम्मीदें हैं।

द्रोण-टेकफेस्ट का आयोजन: 502 छात्रों ने दिखाया अपना तकनीकी हुनर, 117 टीमों में कड़ा मुकाबला

ग्रेटर नोएडा। द्रोणाचार्य संस्थानों का समूहमें दो दिवसीय अन्तर्विद्यालयी द्रोण-टेकफेस्ट का भव्य आयोजन 27 और 28 मार्च 2026 को किया गया। बीटेक प्रथम वर्ष के छात्रों के तकनीकी नवाचार, रचनात्मकता और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस फेस्ट में एनसीआर के विभिन्न कॉलेजों की जबरदस्त भागीदारी देखने को मिली।

फेस्ट के दौरान कुल 8 तकनीकी एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें 117 टीमों के 502 छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपने प्रोजेक्ट्स और आइडियाज के माध्यम से तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सतीश कुमार और दूसरे दिन डॉ. हरीश कुमार मौजूद रहे। संस्थान की निदेशक डॉ. संगीता मंगेशने अतिथियों का स्वागत करते हुए दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। प्रतियोगिताओं में प्रस्तुत सभी प्रोजेक्ट्स का विशेषज्ञ टीम द्वारा गहन मूल्यांकन किया गया। इसके बाद प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं की घोषणा की गई। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को 5100, द्वितीय को 3100 और तृतीय स्थान पर रहने वाली टीमों को 2100 नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में संस्थान की उपनिदेशक प्रो. संघमित्रा वी. अरोरा, प्रशिक्षण एवं नियुक्ति अधिकारी रेनू दुआ सहित सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। अंत में कुलसचिव डॉ. शैलेश कुमार सिंहने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस सफल आयोजन में बीटेक प्रथम वर्ष के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन शर्मा और उनकी टीम की अहम भूमिका रही, जिनके प्रयासों से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

दिल्ली पुलिस की बड़ी उपलब्धि, सीसीटीएनएस प्रगति डैशबोर्ड पर पहला स्थान बरकरार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर टेक्नोलॉजी-आधारित पुलिसिंग और डेटा गवर्नेंस में अपनी लीडरशिप साबित की है। दिल्ली पुलिस ने सीसीटीएनएस प्रगति डैशबोर्ड पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पहला स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही सीसीटीएनएस ऑपरेशन्स के लिए प्रतिष्ठित आईएसओ 9001:2015 क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (क्यूएमएस) सर्टिफिकेशन भी प्राप्त किया है।

दिल्ली पुलिस ने अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 में लगातार तीन महीनों तक 100 प्रतिशत स्कोर हासिल किया था और जनवरी 2026 में भी शीर्ष स्थान बनाए रखा। इसी शानदार निरंतरता को बनाए रखते हुए फरवरी 2026 में भी दिल्ली पुलिस ने पहला स्थान हासिल किया, जो डिजिटल पुलिसिंग और डेटा मैनेजमेंट में उसकी लगातार उत्कृष्टता को दर्शाता है। यह उपलब्धि संगठन की 'नवीन न्याय संहिता' को प्रभावी ढंग से लागू करने और 'अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम' तथा 'इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम' (आईसीजेएस) के तहत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म का मजबूती से उपयोग करने के प्रति उसकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सीसीटीएनएस प्रगति डैशबोर्ड को गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो मॉनिटर करते हैं। इस डैशबोर्ड के आधार पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन डेटा की गुणवत्ता, समय पर अपडेट, मात्रा और सटीकता के आधार पर किया जाता है। इसमें पुलिस थानों की कनेक्टिविटी, डिजास्टर रिकवरी सेंटर की स्थापना, डेटा एंट्री, पुराना डेटा माइग्रेशन, स्टेट और नेशनल डेटा सेंटर में डेटा सिंक्रोनाइजेशन जैसी चीजें शामिल हैं। इसके अलावा, एफआईआर की इलेक्ट्रॉनिक सबमिशन, नागरिक सेवाएं, और आईसीजेएस की नियमित समीक्षा बैठकें भी महत्वपूर्ण मानक हैं।

दिल्ली पुलिस लगातार शीर्ष स्थान हासिल करने में सक्षम रही क्योंकि हर जिले और इकाई में डेटा की अनुशासन, समन्वय और समय पर अपडेट की प्रक्रिया बहुत सख्त है। इस उपलब्धि को और मजबूत करने के लिए दिल्ली पुलिस को आईएसओ 9001:2015 क्यूएमएस सर्टिफिकेशन भी मिला है। यह सर्टिफिकेशन सीसीटीएनएस ऑपरेशन्स की पूरी प्रक्रिया को कवर करता है, जिसमें डिजिटल क्राइम रिकॉर्ड्स जैसे एफआईआर, शिकायतें, जांच रिकॉर्ड्स, अंतर-राज्य डेटा शेयरिंग और सभी पुलिस स्टेशनों और जिलों में सहज इंटीग्रेशन शामिल है।

इस सफलता के पीछे क्राइम ब्रांच सीसीटीएनएस टीम का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने डेटा की गुणवत्ता और अनुपालन की लगातार निगरानी की, जिलों और पुलिस थानों के साथ रियल-टाइम समन्वय किया, तकनीकी और प्रक्रियागत चुनौतियों को समय पर हल किया और लगातार ट्रेनिंग और गाइडेंस प्रदान की। जिलों की भी इसमें बड़ी भूमिका रही है। सभी पुलिस जिलों ने समयसीमा का सख्ती से पालन किया, जांच रिकॉर्ड्स को सही समय पर अपडेट किया, डेटा का प्रभावी डिजिटाइजेशन किया और तकनीकी टीमों के साथ मजबूत समन्वय बनाए रखा। इस उपलब्धि में कई वरिष्ठ अधिकारियों का योगदान भी अहम रहा। डीसीपी आदित्य गौतम ने रणनीतिक मार्गदर्शन दिया और सुनिश्चित किया कि कार्य राष्ट्रीय मानकों के अनुसार हो। एसीपी मुकेश राठी ने ऑपरेशनल समन्वय और जिलों के बीच संचार सुनिश्चित किया। इंस्पेक्टर राजीव श्रीवास्तव ने रियल-टाइम मॉनिटरिंग और समस्या समाधान में मदद की। इनकी संयुक्त कोशिशों ने डेटा की गुणवत्ता, सिस्टम की क्षमता और निरंतर प्रदर्शन सुनिश्चित किया। दिल्ली के पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने सभी जिलों, इकाइयों और क्राइम ब्रांच सीसीटीएनएस टीम को बधाई दी और उनकी मेहनत, प्रोफेशनलिज्म और टीमवर्क की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी उच्च मानक की तकनीक-आधारित और नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग बनाए रखना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस भविष्य में भी तकनीक और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का उपयोग कर जनता को बेहतर सेवाएं देने, एक सुरक्षित और जवाबदेह पुलिसिंग सिस्टम सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अशोक विहार में भगवान हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

नई दिल्ली। हनुमान जन्मोत्सव समिति अशोक विहार द्वारा 31वां हनुमान जन्मोत्सव अशोक विहार फेज-2 स्थित श्री सनातन भवन (सनातन धर्म मंदिर) में भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की।

कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक सुरेश गर्ग, अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि गुप्ता, कोषाध्यक्ष अरविंद मित्तल और उपाध्यक्ष प्रेमशंकर अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि इस महोत्सव में देश के सुप्रसिद्ध भजन गायकों को आमंत्रित किया गया था।

भजन संध्या के दौरान राजू मेहरा (कोलकाता) और हिमांशु वशिष्ठ (दिल्ली) सहित अन्य कलाकारों ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में बाबा का भव्य दरबार, अलौकिक श्रृंगार और 56 भोग विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

समारोह का शुभारंभ समाजसेवी विनोद सावा द्वारा ज्योत प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

विकसित भारत के सपने में योगदान देना हम सभी का फर्ज: उपराज्यपाल

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को कमला नगर मार्किट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत करके उनकी समस्याएं जानने की कोशिश की।

उपराज्यपाल ने पत्रकारों से कहा कि यहां आकर मुझे लोगों का प्यार और उनकी शिकायतें भी सुनने को मिलीं। शिकायतों को ईमेल के माध्यम से उनसे मांग गई हैं, ताकि संबंधित अधिकारियों के साथ उनकी बैठक करके शिकायतों का हल किया जा सके।

उन्होंने कहा कि दिल्ली को विकसित बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने में योगदान देना हम सभी का फर्ज है। उन्होंने विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए लगातार लोगों से मुलाकात करके उनकी समस्याओं को जानकर हल किया जा रहा है।

इससे पहले आज उपराज्यपाल ने लोक निवास में बालीवुड अभिनेता अनुपम खेर मुलाकात की। इसके बाद उपराज्यपाल ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका के नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की।

पारिवारिक विवाद में जीजा की चाकू से गोदकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में पारिवारिक कलह ने खूनी मोड़ ले लिया। 29 मार्च की रात ताहिरपुर में रहने वाले 30 वर्षीय नीरज पर उसके सगे साले ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल नीरज को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने 20 वर्षीय आरोपी रमेश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, नीरज एक निजी कंपनी में कार्यरत था और अपने परिवार के साथ ताहिरपुर में रहता था। वारदात वाली रात उसकी अपने साले से पारिवारिक मुद्दे को लेकर कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ा कि रमेश ने तैश में आकर नीरज पर चाकू से कई वार किए। घटना की सूचना मिलते ही नंद नगरी थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। शुरुआत में नीरज के बयान देने की स्थिति में न होने के कारण पुलिस ने परिजनों और पड़ोसियों से पूछताछ की, जिससे रमेश की संलिप्तता सामने आई। तकनीकी निगरानी और स्थानीय मुखबिरों की मदद से पुलिस ने आरोपी रमेश को उसके घर से दबोच लिया। पूछताछ के दौरान रमेश ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

स्वर्ण जयंती नवरात्र महोत्सव का भव्य समापन

नई दिल्ली। शाहदरा क्षेत्र के कबूल नगर शुक्र बाजार स्थित राज माताजी चौक पर स्वर्ण जयंती नवरात्र महोत्सव का भव्य समापन अत्यंत धार्मिक उल्लास और दिव्यता के साथ संपन्न हुआ। श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर समूह के परम अध्यक्ष स्वामी राजेश्वरानंद के सानिध्य में आयोजित इस समारोह में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की बड़ी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान जनकल्याण और विश्व शांति की कामना के साथ विशेष अनुष्ठान किए गए।

महोत्सव का शुभारंभ प्रातःकाल वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शतचंडी यज्ञ की पूर्णाहुति से हुआ। इसके पश्चात कन्या पूजन किया गया, जिसमें कन्याओं को तिलक, रक्षा सूत्र, प्रसाद तथा शैक्षिक सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर स्वामी राजेश्वरानंद ने कहा कि कन्या पूजन नारी सम्मान और समाज के प्रति हमारे कर्तव्यों का प्रतीक है।

सायंकाल मंदिर परिसर स्थित पवित्र गुफा में गुरु माता के मार्गदर्शन में ब्रह्मलीन राज माताजी की समाधि का श्रृंगार एवं पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद अष्टभुजी मां की आरती उतारी गई और भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े, पुष्पवर्षा और आतिशबाजी ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस शोभायात्रा में देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विदेशों से आए श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया। समारोह के दौरान स्वामी राजेश्वरानंद ने अपने संदेश में कहा कि पूजा, पाठ, जप, तप और तीर्थ से भी अधिक महत्वपूर्ण प्रेम है। यदि इन सभी धार्मिक कर्मों में प्रेम का भाव नहीं है, तो वे अहंकार का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से किया गया प्रेम ही परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग है।

कार्यक्रम में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिसमें महंत सुनील राजपूत और भजनीक पूजा सखी ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। देर रात तक भक्तजन भक्ति रस में डूबे नजर आए। कार्यक्रम के दौरान इत्र की फुहार, पुष्पवर्षा और रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ाया।

समापन समारोह में अनेक राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक हस्तियां उपस्थित रहीं। इनमें तिलक राज कक्कड़, भीष्म शर्मा, कन्हैयालाल यादव, लाला हरिचंद अग्रवाल, जगदीश टाइटलर, जय प्रकाश अग्रवाल, विपिन शर्मा, अनिल गोयल, वीर सिंह धींगान, संदीप लांबा, आर पी मीणा सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

शकूर बस्ती रेलवे स्टेशन पर पेट्रोल टैंक वैगन में लगी आग, सतर्कता से टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली। दिल्ली के शकूर बस्ती रेलवे स्टेशन स्थित रेलवे यार्ड में पेट्रोल से भरे टैंक वैगन में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि रेलवे कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ के चलते संभावित बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि या गंभीर नुकसान नहीं हुआ।

रेलवे के पुलिस उपायुक्त भरत रेड्डी ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना पेट्रोल से लदे एक टैंक वैगन में हुई, जो रेलवे यार्ड में खड़ा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टैंक वैगन के मैनहोल (ढक्कन) से पेट्रोल का रिसाव हो रहा था। इस रिसाव के कारण आसपास अत्यधिक ज्वलनशील वाष्प जमा हो गईं। इसी दौरान किसी कारणवश वाष्प में आग लग गई और देखते ही देखते टैंकर के ऊपरी हिस्से में लपटें उठने लगीं। मौके पर मौजूद रेलवे स्टाफ ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। कर्मचारियों ने बिना समय गंवाए उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों फायर एक्सटिंग्विशर और सिलेंडरों का उपयोग कर आग बुझाना शुरू किया। उनकी तत्परता और समन्वित प्रयासों से आग को शुरुआती चरण में ही नियंत्रित कर लिया गया।

रेलवे कर्मचारियों की इस मुस्तैदी ने एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया, क्योंकि यदि आग फैलती तो आसपास खड़े अन्य टैंक वैगनों और रेलवे ढांचे को भारी नुकसान हो सकता था। साथ ही, घटना स्थल के आसपास के क्षेत्र को तुरंत खाली कराकर आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से बचाव सुनिश्चित किया जा सका। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया और अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए गए। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। रेलवे संपत्ति को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और प्रारंभिक निरीक्षण के बाद क्षेत्र को सुरक्षित घोषित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने पिंक सहेली कार्ड पर अफवाहों को किया खारिज, बोली

कितनी भी यात्रा कर सकती हैं महिलाएं

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिंक सहेली कार्ड पर 'एक घंटे में एक ही मुफ्त यात्रा की अफवाहों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि पिंक कार्ड टैप करते ही महिलाओं को तुरंत टिकट मिल रहा है और वे कितनी भी यात्रा कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) को बेटियों की साइकिल खटक रही है, उन्हें पिंक सहेली कार्ड कैसे सुहाएगा। उन्होंने कहा कि पिंक सहेली कार्ड पूरी तरह काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ राजनीतिक लोग प्रोपगैंडा के तहत यह अफवाह फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि पिंक कार्ड से एक बस में यात्रा करके एक बार टैप कर लेते हो और उतर के दूसरी बस में चढ़ते हो तो वो टैप नहीं हो रहा है। दिल्ली की महिलाएं

पिंक कार्ड से कितनी बार भी बस में टैप करके यात्रा कर सकती है, चाहे 5 मिनट बाद ही दूसरी बस में टैप करते हैं, तो टिकट मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों में रोजाना 45 लाख लोग यात्रा करते हैं, जिसमें से लगभग 20 लाख महिलाएं यात्रा करती हैं। पहले इन 20 लाख यात्रा (या कह लीजिए 10 लाख बहनों) के लिए जो पैसा दिल्ली सरकार देती थी, उसका कोई खाता-किताब नहीं था। 20 लाख को 30 लाख लिख दिया जाता था या 40 लाख लिख दिया जाता था। बिना किसी हिसाब-किताब के पैसे लिए जा रहे थे। इसमें भ्रष्टाचार करके कुछ लोगों को फायदा दिया जाता था।

उन्होंने कहा कि सहेली पिंक कार्ड का सबसे बड़ा फायदा यही है कि अब आप जितनी बार भी बस में जाएंगी, आएंगी, उसका सही हिसाब-किताब नोट हो जाएगा। सरकार को जितना पैसा देना है, वह बिना किसी भ्रष्टाचार के, बिना किसी निजी लाभ के, सीधे-सीधे दिया जाएगा। जो लोग चाहते थे कि यह खर्चा बिना हिसाब के किसी निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाता रहे, वो अब नहीं हो रहा। इसलिए उन्हें तकलीफ हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिंक कार्ड अभी तीन महीने तक बनते रहेंगे। महिलाओं को घबराने की जरूरत नहीं है, किसी लंबी लाइन में लगने की जरूरत नहीं है।

भाई से दुष्कर्म कराने में साथ देने वाली महिला को 10 साल कैद, हाईकोर्ट का सख्त फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में नाबालिग भाई से दुष्कर्म कराने में सहयोग करने वाली महिला को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने निचली अदालत के बरी करने के फैसले को पलटते हुए महिला को दोषी ठहराया और उस पर जुर्माना भी लगाया।

मामला वर्ष 2013 का है, जिसमें दोषी महिला ने पीड़िता को नौकरी का झूठा झांसा देकर सुनसान स्थान पर बुलाया। वहां उसके नाबालिग भाई ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया, जबकि महिला पूरे घटनाक्रम के दौरान मौजूद रही और पीड़िता को चुप रहने की धमकी भी दी।

पीठ ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि महिला की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि साजिश का सक्रिय हिस्सा थी। अदालत ने माना कि आरोपी ने जानबूझकर पीड़िता को फंसाया और अपराध को अंजाम दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

अदालत ने इस मामले में निचली अदालत द्वारा महिला को बरी किए जाने के निर्णय को गलत ठहराते हुए पुलिस की अपील स्वीकार की। इसके बाद महिला को विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार देते हुए सजा सुनाई गई।

साहित्य अकादमी तीन साहित्यकारों को प्रदान करेगी महत्तर सदस्यता

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी की सामान्य परिषद की बैठक में तीन वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. प्रतिभा राय (ओड़िआ), लख्मी खिलाणी (सिंधी) तथा अब्दुस समद (उर्दू) को साहित्य अकादमी की महत्तर सदस्यता प्रदान करने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन कार्यरत साहित्य अकादमी द्वारा प्रदान किया जाने वाला सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान महत्तर सदस्यता है। जो सामान्यतः भारतीय साहित्य की अमर विभूतियों के लिए आरक्षित है। पद्म भूषण से अलंकृत डॉ. प्रतिभा राय एक विख्यात ओड़िआ लेखिका, विदुषी हैं। उन्होंने पचास से अधिक कृतियों की रचना की है। उनके दीर्घ एवं गौरवपूर्ण साहित्यिक जीवन में पद्म भूषण, ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा सारला पुरस्कार सहित अनेक सम्मान व पुरस्कार प्राप्त किया है। वहीं लख्मी खिलाणी (लख्मीचंद भीर्यामल खिलाणी) एक प्रतिष्ठित सिंधी कथाकार, नाटककार, अनुवादक, संपादक एवं विद्वान हैं। उनके प्रकाशित सृजन में दो दर्जन से अधिक कृतियां तथा बड़ी संख्या में लेख सम्मिलित हैं।

उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार सहित अन्य अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं।अब्दुस समद एक प्रख्यात उर्दू लेखक एवं कवि हैं। उन्होंने दो दर्जन से अधिक कृतियों का सृजन किया है।

उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार, गालिब पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषद पुरस्कार तथा उर्दू अकादमी का लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त हो चुके हैं।यह महत्तर सदस्यता एक विशेष समारोह में बाद में प्रदान की जाएगी।

पूर्वी दिल्ली में दो अफ्रीकी नागरिकों सहित चार ड्रग तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। अफ्रीकी नागरिकों के साथ मिलकर राजधानी में ड्रग का कारोबार करने वाले गिरोह का पूर्वी जिले के एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह पिछले एक साल से दिल्ली में ड्रग का धंधा कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में दो अफ्रीकी नागरिकों सहित चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है।

इनकी पहचान अफ्रीकी नागरिक आस्कर, इसके साथी बेमाह व गीता कालोनी निवासी मोहम्मद हसन इसकी महिला रिश्तेदार व मंडावली निवासी रजिया के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 120.18 ग्राम कोकीन और 15.71 ग्राम एमडीएमए, इलेक्ट्रानिक पैकिंग मशीन, डिजिटल तराजू, छह मोबाइल फोन, दो पासपोर्ट बरामद, चोरी की स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार इनके पास से पकड़ी गई ड्रग की कीमत 1.10 करोड़ रुपये है।

पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार रावल ने बताया कि पुलिस का नश मुक्त अभियान जारी है। 25 मार्च को एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड को सूचना मिली कि प्रीत विहार की झुग्गियों के पास एक युवक ड्रग लेकर आएगा। स्क्वाड के इंचार्ज अरुण कुमार के नेतृत्व में एसआई संजीव व विकास कांस्टेबल कौशल की टीम बनाई। टीम ने जाल बिछाकर मोहम्मद हसन नाम के व्यक्ति को 7.58 ग्राम एमडीएमए ड्रग के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस को पूछताछ में इसने बताया कि वह वह श्रीनिवासपुरी

से एक अफ्रीकी नागरिक से ड्रग खरीदकर लाता है।

28 मार्च को पुलिस ने श्रीनिवासपुरी से अफ्रीकी नागरिक आस्कर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से भी 4.43 ग्राम एमडीएमए बरामद हुई। जिस स्कूटी से वह आया था उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी और वह स्कूटी उत्तम नगर से चोरी की निकली। पुलिस ने अमृतपुरीद क्षेत्र में इसके किराये के फ्लैट पर छापेमारी की। जहां इसके साथी बेमाह को कोकीन के साथ गिरफ्तार किया।

हसन ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह वह ड्रग को खरीदने के बाद मंडावली की झुग्गियों में रहने वाली अपनी रिश्तेदार को दे देता है। वह उस ड्रग से छोटे पाउच बनाती है और दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बेच देती है। अफ्रीकी नागरिकों से पूछताछ कर पता करने का प्रयास कर रही है वह ड्रग कहां खरीदते थे।

यह गिरोह बहुत ही शातिर तरीके से ड्रग का कारोबार कर रहा था। मोहम्मद हसन विदेशी नागरिकों से 1500 रुपये में कोकीन-एमडीएमए खरीदता था। वह उस ड्रग को दक्षिणी दिल्ली से लाकर मंडाली झुग्गियों में रहने वाली अपनी महिला रिश्तेदार रजिया को दे देता था।

रजिया अपनी झुग्गी में उस ड्रग के छोटे-छोटे पाउच बनाती थी। एक पाउच 2200 रुपये में बेचती थी। यह महिला उन लोगों को ड्रग पाउच बेचती थी, जिन्हें वह जानती थी। ड्रग से होने वाली कमाई को महिला अपने रिश्तेदार के साथ बांट लेती थी।

पुलिस से सवाल किया गया है कि क्या अफ्रीकी नागरिक वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी दिल्ली में गैर कानूनी तरीके से रह रहे थे। इस सवाल पर पुलिस ने कहा कि विदेशी नागरिकों के पास पासपोर्ट व अन्य दस्तावेज एंबेसी भेज दिए हैं। उन कागजातों की जांच की जा रही है कि कहीं फर्जी तो नहीं हैं।

संपादकीय

ट्रंप खेल रहे हैं बम और शांति का खेल

एक तरफ अमेरिका ईरान पर सैन्य हमले तेज कर रहा है, वहीं दूसरी ओर बंद दरवाजों के पीछे बातचीत का रास्ता भी खुला रखे हुए है। यह रणनीति महज संयोग नहीं, बल्कि एक सोची–समझी साजिश प्रतीत होती है। जिसका मकसद है, ईरान को हर मोर्चे पर दबाव में लाकर अपनी शर्तों पर झुकने के मजबूर करना। खाड़ी में जारी तनाव के बीच अमेरिका की रणनीति अब खुलकर सामने आने आ रही है। बाहर से सैन्य कार्रवाई और अंदरखाने बातचीत। यह दोहरी नीति अब छिपी नहीं रही। इस दोहरी नीति का असर पूरे मिडिल ईस्ट में दिखाई दे रहा है। एक तरफ जंग का खतरा गहराता जा रहा है, दूसरी तरफ कूटनैतिक हल की उम्मीद भी जिंदा रखी जा रही है। अब यह सवाल और मुखर हो रहा है कि यह रणनीति हालात को संभालेगी या और ज्यादा भड़का देगी? कथनी और करनी के जरिए ट्रंप अब अधिकतम दबाव की नीति पर काम कर रहे हैं। सैन्य, आर्थिक और कूटनैतिक स्तर पर ईरान को घेरने की कोशिश की जा रही है। बातचीत महक एक औजार है। असली मकसद है ईरान की रणनीति में बदलाव लाना है। आने वाले दिन यह तय करेंगे कि मिडिल ईस्ट में शांति की राह खुलेगी या टकराव और गहराएगा।बीती रात अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के इस्फहान शहर में जबर्दस्त धमाके किए हैं। ट्रंप ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें कई धमाके होते दिखाई दे रहे हैं। अलबत्ता ट्रंप ने वीडियो के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं किया है लेकिन इसे ईरान के इस्फहान शहर पर हमला बताया जा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अमेरिकी और इजरायली सेना ने एक परमाणु केंद्र को निशाना बनाकर संयुक्त हमले किए हैं। अमेरिकी अधिकरियों के हवाले से कहा गया है कि ईरान के गोला–बारूद के डिपो को निशाना बनाने के लिए कई बंकर बस्टर बमों का इस्तेमाल किया गया है। जिसमें कहा गया है कि डिपो पर 2 हजार पाउंड यानी लगभग 9 सौ किलोग्रम के बंकर बस्टर बमों से हमला किया गया है।वहीं दूसरी ओर अमेरिका को इस्राइल ने एक बड़ा झटका दिया है। एक चौंकाने वाला यह कूटनैतिक बदलाव सामने आ रहा है कि इजरायल ने जमीनी हमले के लिए अपनी सेना ईरान भेजने से इंकार कर दिया है। यही नहीं मौजूदा हालात में ट्रंप वैश्विक मंच पर लगातार अकेले पड़ते जा रहे हैं। वहीं रूस और चीन का रुख ईरान की तरफ दिखाई दे रहा है। बदलते समय के साथ युद्ध का रुख किस तरफ मुड़ेगा यह भी अभी स्पष्ट नहीं है।

संकट की घड़ी में मददगार है साथ हिन्दुस्तान का

ईरान–इजरायल युद्ध के बीच दुनिया भर के देश में तेल और एलपीजी गैस की किल्लत से दो चार हो रहे हैं। हालांकि, भारत जैसे मित्र देशों के लिए ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद नहीं किया है। भारत में लगातार तेल और एलपीजी की आपूर्ति हो रही है। अभी तक कई जहाज भारत पहुंच भी चुके हैं। लेकिन भारत के कई पड़ोसी देशों में हालात बहुत चिंताजनक है। श्रीलंका भी इन दिनों तेल की आपूर्ति को लेकर चिंतित है। ऐसी स्थिति में श्रीलंका की मदद भारत कर रहा है। आपको बता दें कि युद्ध और होरमुज स्टेट में बढ़ते तनाव के कारण तेल और एलपीजी की सप्लाई बाधित हो रही है, जिससे दुनिया के कई देश गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। इस वैश्विक उथल–पुथल के बीच भारत ने अपने पड़ोसी देशों के लिए एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में भूमिका निभाई है। हालांकि भारत का यह रवैया कोई नया नहीं है। सदियों से भारतीय सभ्यता सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सिद्धांतों पर अमल की रही है। आज जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट रही हैं और देश अपने–अपने हितों में सिमटते नजर आ रहे हैं, भारत ने इसके विपरीत एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है, जहां केवल राष्ट्रीय हित ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और सहयोग भी प्राथमिकता में हैं।

-मनोज कुमार अग्रवाल-

संकट भरे विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया में भारत अपने मित्र पडोसी देशों के लिए संकटमोचक बड़े भाई की भूमिका निबाह रहा है। तनाव के इस दौर में, जब पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है, ऐसे समय में भारत ने एक बार फिर अपनी परंपरागत नीति विश्व एक परिवार के आदर्श को व्यवहार में उतारकर दिखाया है। ईरान–इजरायल युद्ध के बीच दुनिया भर के देश में तेल और एलपीजी गैस की किल्लत से दो चार हो रहे हैं। हालांकि, भारत जैसे मित्र देशों के लिए ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद नहीं किया है। भारत में लगातार तेल और एलपीजी की आपूर्ति हो रही है। अभी तक कई जहाज भारत पहुंच भी चुके हैं। लेकिन भारत के कई पड़ोसी देशों में हालात बहुत चिंताजनक है। श्रीलंका भी इन दिनों तेल की आपूर्ति को लेकर चिंतित है। ऐसी स्थिति में श्रीलंका की मदद भारत कर रहा है। आपको बता दें कि युद्ध और होरमुज स्टेट में बढ़ते तनाव के कारण तेल और एलपीजी की सप्लाई बाधित हो रही है, जिससे दुनिया के कई देश गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। इस वैश्विक उथल–पुथल के बीच भारत ने अपने पड़ोसी देशों के लिए एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में भूमिका निभाई है। हालांकि भारत का यह रवैया कोई नया नहीं है। सदियों से भारतीय सभ्यता सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सिद्धांतों पर अमल की रही है। आज जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट रही हैं और देश अपने–अपने हितों में सिमटते नजर आ रहे हैं, भारत ने इसके विपरीत एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है, जहां केवल राष्ट्रीय हित ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और सहयोग भी प्राथमिकता में हैं।

आपको पता है कि मौजूदा घटनाक्रम में श्रीलंका को भारत द्वारा 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति इसी सोच का प्रमाण है। इसमें 20,000 मीट्रिक टन डीजल और 18,000 मीट्रिक टन पेट्रोल शामिल है। यह आपूर्ति ऐसे समय में की गई, जब श्रीलंका पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति बाधित होने के कारण गंभीर संकट में था। श्रीलंका के राष्ट्रपति कुमारा दिसानायके और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत के बाद यह सहायता तुरंत भेजी गई। यह केवल एक कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और सहयोग का प्रतीक है। इससे पहले विदेश मंत्री एस। जयशंकर और श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ के बीच भी बातचीत हुई थी, जिसने इस सहयोग को और मजबूत आधार दिया। भारत ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के माध्यम से यह आपूर्ति सुनिश्चित की, जिससे श्रीलंका में ऊर्जा संकट को तत्काल राहत मिली। भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति केवल एक कूटनीतिक नारा नहीं, बल्कि एक सक्रिय और प्रभावी रणनीति के रूप में सामने आई है। श्रीलंका के अलावा भारत ने बांग्लादेश और मालदीव जैसे देशों को भी समय–समय पर ऊर्जा सहायता प्रदान की है। बांग्लादेश में भी हालात चुनौतीपूर्ण हैं।याद रहे भारत ने बांग्लादेश को अतिरिक्त 5,000 टन डीजल की सप्लाई की है। इस तरह हाल के दिनों में भारत से बांग्लादेश को कुल 15,000 टन डीजल मिल चुका है।

ईरान–अमेरिका–इजरायल तनाव और होर्मुज स्टेट में व्यवधान के कारण वहां ईंधन संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में भारत ने अतिरिक्त 5,000 टन डीजल की आपूर्ति कर तत्काल राहत पहुंचाई थी। हाल के समय में कुल 15,000 टन डीजल की आपूर्ति भारत द्वारा की जा चुकी है। यह सहयोग केवल संकट प्रबंधन नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने का माध्यम भी है। ऊर्जा क्षेत्र में यह साझेदारी आने वाले समय में दक्षिण एशिया की स्थिरता और विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जब दुनिया के कई देश अपने संसाधनों को सुरक्षित रखने में लगे हैं, भारत ने अपने संसाधनों को साझा करने का रास्ता चुना है। यह संवेदनशीलता और जिम्मेदारी भारत को वैश्विक मंच पर अलग पहचान देती है। श्रीलंका के नेताओं चाहे वह सांसद नमल राजपक्षे हों या हां डी सिल्वा ने भारत की इस मदद की खुलकर सराहना की है। यह सराहना केवल शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की बढ़ती साख और विश्वास को दर्शाती है। भारत ने पहले भी संकट के समय श्रीलंका की मदद की है, चाहे वह आर्थिक संकट हो या प्राकृतिक आपदा। यही निरंतरता भारत को एक विश्वसनीय मित्र बनाती है। वर्तमान स्थिति केवल एक क्षेत्रीय संकट नहीं है, बल्कि यह वैश्चिक ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न बन चुका है। होमुंज स्ट्रेंट, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है, वहां तनाव का सीधा असर वैश्विक बाजारों पर पड़ रहा है। इस स्थिति में भारत का सक्रिय हस्तक्षेप न केवल पड़ोसी देशों को राहत दे रहा है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता को भी बनाए रखने में मदद कर रहा है। यह कदम यह भी दर्शाता है कि भारत केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार ऊर्जा साझेदार भी है। हालांकि तत्काल राहत देना जरूरी है, लेकिन इस संकट ने एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया है कि क्या दक्षिण एशिया को ऊर्जा के मामले में अधिक आत्मनिर्भर नहीं होना चाहिए? श्रीलंका ने खुद स्वीकार किया है कि इस तरह के संकट से निपटने के लिए दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है। भारत इस दिशा में भी सहयोग कर सकता है चाहे वह नवीकरणीय ऊर्जा हो, क्षेत्रीय ग्रिड कनेक्टिविटी हो या ऊर्जा भंडारण की व्यवस्था। यदि हम हाल के इतिहास पर नजर डालें, तो कोविड–19 महामारी के दौरान भी भारत ने दुनिया के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। वैक्सीन मैत्री पहल के तहत भारत ने 100 से अधिक देशों को 30 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की आपूर्ति की। यह केवल एक स्वास्थ्य पहल नहीं थी, बल्कि वैश्विक मानवता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण थी। इस अभियान के माध्यम से भारत ने यह दिखाया कि वह केवल अपने नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए जिम्मेदार है। यह नीति आज भी ऊर्जा संकट जैसे मामलों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। हकिकत यह है कि आज के समय में नेतृत्व केवल शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि संकट में साथ खड़े होने से तय होता है।

भारत ने अपने कार्यों से यह साबित किया है कि वह केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील राष्ट्र भी है। वसुधैव कुटुम्बकम् केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि भारत की विदेश नीति का आधार बनता जा रहा है। जब दुनिया विभाजन और प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ रही है, भारत सहयोग और साझेदारी का रास्ता दिखा रहा है। ऐसे समय में भारत का यह कदम न केवल पड़ोसी देशों के लिए राहत है, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक संदेश भी है कि सच्ची शक्ति वही है, जो दूसरों को संभालने में काम आए। भारत की इस नीति में एक खास बात यह है कि इसमें रणनीतिक हित और मानवीय दृष्टिकोण दोनों का संतुलन है। एक ओर जहां भारत अपने पड़ोसियों की मदद करके क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करता है, वहीं दूसरी ओर वह मानवीय मूल्यों को भी प्राथमिकता देता है। ऊर्जा संकट में सहायता देकर भारत ने यह सुनिश्चित किया कि उसके पड़ोसी देशों में आर्थिक और सामाजिक अस्थिरता न बढ़े, क्योंकि इसका असर पूरे क्षेत्र पर पड़ सकता है। कहा जाता है कि सच्चा मित्र वही होता है जो मुश्किल समय में साथ खड़ा हो। भारत ने बार–बार इस कहावत को सही साबित किया है। चाहे कोविड–19 का संकट हो या वर्तमान ऊर्जा संकट, भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों और दुनिया के साथ खड़े होकर यह संदेश दिया है कि वह केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि मानवता का सच्चा साथी है। जनवरी 2021 में, भारत ने चक्रवात यासा से प्रभावित फिजी द्वीप को मानवीय सहायता प्रदान की। संघर्ष की स्थितियों में यमन, सीरिया और अफगानिस्तान जैसे देशों को भी सहायता दी गई है। भारत ने म्यांमार और मोजाम्बिक में अन्य आपदाओं में भी सहायता प्रदान की है। आज जब दुनिया अनिश्चितताओं से भरी हुई है, भारत की यह नीति न केवल उसके पड़ोसियों के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए एक प्रेरणा है। आने वाले समय में भी भारत इसी तरह सहयोग और साझेदारी के माध्यम से वैश्विक शांति और स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

श्रीलंका के सांसद नेता नमल राजपक्षा ने भारत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत ने ऐसे मुश्किल समय में भी एक दोस्त की तरह हमारे साथ खड़ा रहा है। मैं भारत को 38 हजार टन पेट्रोलियम देने के लिए उनका धन्यवाद करता हूं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता ने एक बार फिर श्रीलंका को 38,000 टन पेट्रोलियम की समय पर आपूर्ति करके पड़ोसी पहले नीति को कायम रखा है।

डिजिटलीकरण की रफ्तार और 'डिजिटल जहर' का खतरा

-सुनील कुमार महला-

भा आज हमारा देश भारत तेजी से डिजिटाइजेशन की ओर अग्रसर है, और कहना ग़लत नहीं होगा कि इसमें स्मार्टफोन विशेषकर एंड्रॉयड का सबसे बड़ा योगदान है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वैश्विक स्तर पर जहां एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 3.9 अरब (390 करोड़) है, वहीं भारत में वर्ष 2025–2026 के अनुमान के अनुसार कुल स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 75 करोड़ (750 मिलियन) तक पहुंच चुकी है। इनमें से लगभग 89%–90% स्मार्टफोन एंड्रॉयड आधारित हैं। अर्थात सरल शब्दों में कहें तो भारत में करीब 65–70 करोड़ लोग एंड्रॉयड फोन का उपयोग कर रहे हैं।यह भी कहा जा सकता है कि आज हर 10 में से लगभग 9 लोग एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। वास्तव में, हमारे देश में सस्ते डेटा प्लान, किफायती स्मार्टफोन और डिजिटल सेवाओं का विस्तार इस तेज़ी के प्रमुख कारण हैं।

हालांकि, इस डिजिटल क्रांति का एक चिंताजनक पहलू भी सामने आ रहा है– 'डिजिटल जहर' अर्थात मोबाइल और स्क्रीन की बढ़ती लत, जो विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। आंकड़े इस समस्या की भयावहता को स्पष्ट करते हैं। क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि हमारे देश में 0–5 वर्ष के बच्चे प्रतिदिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से लगभग दोगुना है। वहीं, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उनके लिए स्क्रीन टाइम शून्य होना चाहिए।

इतना ही नहीं, यदि हम यहां पर स्कूल जाने वाले बच्चों की बात करें, तो एक अध्ययन के अनुसार 62.5% बच्चों में मध्यम से उच्च स्तर की स्क्रीन लत पाई गई है, और उनका औसत स्क्रीन टाइम लगभग 4 घंटे प्रतिदिन है। एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि भारत के 74% छात्र रोजाना 2 घंटे से अधिक स्क्रीन का उपयोग करते हैं, जिनमें से 21% बच्चे 4 घंटे से भी अधिक समय मोबाइल, गेमिंग या सोशल मीडिया पर बिताते हैं। लगभग 70% माता–पिता का मानना है कि उनके बच्चे वीडियो और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आदी हो चुके हैं। और भी चिंता की बात यह है कि 64% बच्चे सोशल मीडिया और गेमिंग के आदी हैं, जबकि केवल 20% बच्चों में किसी प्रकार की डिजिटल लत नहीं पाई गई है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज के समय में भारत में लगभग 90% किशोरों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है और 76% बच्चे मनोरंजन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 ने भी डिजिटल लत को बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बताया है, क्योंकि यह उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

इस डिजिटल लत के दुष्परिणाम भी स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। मसलन, ध्यान में कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या, पढ़ाई में गिरावट, सामाजिक दूरी, अकेलापन, मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में राज्यसभा में भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया, जहां यह बताया गया कि कई बच्चे प्रतिदिन 7–8 घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहे हैं। इससे उनकी शिक्षा, सामाजिक जीवन और नींद पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने इस स्थिति को 'डिजिटल गुलामी' तक करार दिया है, क्योंकि बच्चे मोबाइल के बिना स्वयं को असहज महसूस करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में सोशल मीडिया पर लाइक्स और कमेंट्स की होड़ बच्चों में हीन भावना, तनाव और अवसाद को बढ़ा रही है, वहीं ऑनलाइन बुलिंग जैसी समस्याएं भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं। हाल ही में एक अमेरिकी अदालत ने भी यह माना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का डिजाइन इस प्रकार बनाया जाता है कि उपयोगकर्ता बार–बार उन्हें इस्तेमाल करें, जिससे लत की प्रवृत्ति बढ़ती है। इस बढ़ती समस्या के समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए हैं। राज्यसभा में राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनाने, स्कूलों में 'डिजिटल हेल्थ' को पाठ्यक्रम में शामिल करने और सोशल मीडिया तथा गेमिंग कंपनियों पर सख्त नियम लागू करने की मांग की गई है। साथ ही, अभिभावकों को यह सलाह दी गई है कि वे बच्चों पर केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय उनसे खुलकर संवाद करें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें खेल–कूद तथा रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें।

अंततः, यह स्पष्ट है कि डिजिटल लत अब केवल एक आदत नहीं, बल्कि समाज के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने जहां अभिव्यक्ति और सूचना के नए द्वार खोले हैं, वहीं उनका अत्यधिक उपयोग बच्चों और किशोरों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास को प्रभावित कर रहा है। यदि समय रहते प्रभावी और संतुलित कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों पर गहरा और दीर्घकालिक होगा। इसलिए सरकार, शैक्षणिक संस्थान, अभिभावक और समाज–सभी को मिलकर जागरूकता, संतुलित उपयोग और सकारात्मक संवाद के माध्यम से इस 'डिजिटल जहर' से बच्चों और युवाओं को बचाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

कर्मकांड तक सीमित रहना धर्म का काम नहीं

धर्म की पूर्णता भगवद्दिसद्धि के प्रत्यक्ष मार्ग की प्राप्ति में निहित है, यही वह बात है जो व्यक्ति को पूर्ण मनुष्य बनाने के लिये आवश्यक है। ऐसा मनुष्य जिसका जीवन पूर्ण समंजस्यता में हो, ऐसा मनुष्य जो अपार प्रज्ञा, सजनशीलता, ज्ञान, शांति और सुख से परिपूर्ण हो। मनुष्य के लिये धर्म की पूर्णता वह स्थिति प्राप्त करने में है, जो विश्व के समस्त धर्मों का आदर्श है। अंग्रेजी में धर्म के लिये जो रिलीजन शब्द का प्रयोग हुआ है उसकी उत्पत्ति लैटिन के रैलीयेअर इनफिनीटिव से हुई है। रि का अर्थ है बैक अर्थात अतीत, पूर्व और लिगेएर का अर्थ है बांधना अर्थात जो पूर्व से बांधे। धर्म का प्रयोजन मनुष्य को उसके स्त्रोत से मूल से जोड़ना है। यदि धर्म मनुष्य के मन को उसके स्त्रोत पर ले जाकर, शरीर के क्रियाकलाप को समस्त क्रियाओं के मूल से जोड़कर उसके जीवन को उसके स्त्रोत से जोड़ देता है, तो धर्म का प्रयोजन पूरा हो जाता है। मन जीवन की धुरी है। यदि मन को उसके मूल पर ले जाया जा सके तो समस्त जीवन अपने मूल से जुड़ जाएगा और धर्म का प्रयोजन पूरा हो जाएगा। धर्म एक मार्ग है या उसे कम से कम ऐसा मार्ग तो होना चाहिये जो मनुष्य की चेतना को भगवद्चेतना के स्तर तक उठा सके और मनुष्य के मन को दैवी चेतना या सार्वभौमिक मन में प्रतिष्ठित कर सके। धर्म का प्रयोजन वैयक्तिक जीवन को प्रकृति के नियमों के सामंजस्य में लाना है, जिससे विकास की धारा स्वाभाविक रूप से प्रवाहमान हो सके। धर्म को व्यष्टि और समष्टि के जीवन में समन्वय स्थापित करना चाहिए जिससे मानव जीवन के समस्त गुणों का संवर्धन हो सके। धर्म उस परम सत्ता के साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त करता है, जिसे दर्शन शास्त्र प्रकाशित करता है। दर्शनशास्त्र विवेचनात्मक होता है, जबकि धर्म में भगवद् संसिद्धि के प्रत्यक्ष मार्ग का क्रियागत रूप मिलता है। किसी धर्म के कर्मकांड उसके शरीर का प्रतिनिधित्व करते हैं और भावातीत सत्ता की प्रत्यक्ष अनुभूति उसकी आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आज का इतिहास

1748 - स्पैनिश रोक जोकिन डी अल्क्यूबिएर द्वारा पोम्पी के खंडहर की खोज की गई।
1778 - न्यू ऑरलियन्स के व्यापारी ओलिवर पोलक ने ₹$₹ का प्रतीक बनाया।
1826 - शमूएल मोरी एक आंतरिक दहन इंजन का पेटेंट किया।
1829 - विसेंट ग्युरेरो मेक्सिको के राष्ट्रपति बने
1833 - 18 मैक्सिकन राज्यों के 16 विधायिकाओं ने जनरल एंटोनियो लोपेज डी सांता अन्ना को मैक्सिको के राष्ट्रपति चुना।
1833 - मैक्सिकन टेक्सस ने सैन फेलिप डी ऑस्टिन से बुराई का मुकाबला करने के लिए मुलाकात की।
1850 - एस एफ काउंटी सरकार की स्थापना की गयी।
1852 - दूसरा एंग्लो–बर्मा युद्ध आरम्भ हुआ।
1854 - हार्ड टाइम्स ने चार्ल्स डिकेंस पत्रिका घरेलू शब्दों में क्रमिकरण शुरू किया।
1863 - अमेरिका में पहली बार युद्धकाल का भर्ती कानून प्रभाव में चलाया गया।
1865 - पाँच कांटे रखने का आदेश दिया, कन्फेडरेट जनरल जॉर्ज पिकेटिंस्टेड ने लगभग 3,000 खो दिए।
1867 - अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी पेरिस में खोली गयी।
1868 - हैम्पटन सामान्य और कृषि संस्थान हैम्प्टन के वर्जीनिया में स्थापित किया गया।
1893 - संयुक्त राज्य अमेरिका में नौसेना चीफ पैटी ऑफिसर के पद पर स्थापित किया गया।
1918 - ब्रिटिश सशस्त्र बलों ने कर्मियों को उड़ान भरने की शक्ति देना शुरू कर दिया।
1945 - Rain स्टील रेन 'के रूप में जाना जाने वाला एक हिमखंड ओकिनावा से टकराया, जिससे ब्रिटेन और अमेरिका के मूल निवासी विभिन्न प्रजातियों को झुंड के झुंड में ले जाते हैं।
1946 - सिंगापुर एक क्राउन कॉलोनी बना।

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

-लेखक-ललित गर्ग-

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली।

लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक–आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य–पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती।

लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

केरल चुनाव के लिए भाजपा का घोषणा पत्र जारी

साल में दो गैस सिलेंडर मुफ्त एवं बुजुर्गों को 3 हजार पेंशन का वादा

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केरल विधानसभा चुनाव को लेकर अपना घोषणापत्र मंगलवार को जारी कर दिया। "यही बदलाव है, यही विकसित केरल है" थीम पर आधारित इस घोषणापत्र में राज्य के समग्र विकास का रोडमैप पेश किया गया है, जिसमें बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, सामाजिक कल्याण योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों पर विशेष जोर दिया गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने तिरुवनंतपुरम स्थित श्री मूलम क्लब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा पत्र जारी किया। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर, टीवी-20 पार्टी के मुख्य समन्वयक साबू जैकब, बीडीजेएस के प्रदेश अध्यक्ष तुषार वेल्लापल्ली और तिरुवनंतपुरम के मेयर वीवी राजेश सहित अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे। भाजपा ने घोषणापत्र में केरल के बुनियादी ढांचे को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा किया है। इसमें सबसे अहम प्रस्ताव अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना का है, जो राज्य की लंबे समय से चली आ रही मांग रही है। परिवहन क्षेत्र में पार्टी ने तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने का वादा किया है, जिससे राज्य में यात्रा का समय काफी कम होने की उम्मीद है।

इसके साथ ही शहरी भीड़भाड़ को कम करने के लिए तिरुवनंतपुरम और कोझिकोड में मेट्रो रेल परियोजनाएं शुरू करने की योजना भी पेश की गई है। भाजपा ने घोषणापत्र में आम जनता, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए कई कल्याणकारी घोषणाएं की हैं। इनमें गरीब परिवारों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, प्रत्येक घर को हर महीने 20,000 लीटर मुफ्त पेयजल, सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह करना प्रमुख हैं। इन योजनाओं के जरिए पार्टी ने सीधे तौर पर आम मतदाताओं को साधने की कोशिश की है। घोषणापत्र में भाजपा ने कुछ स्थानीय और संवेदनशील मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया है। पार्टी ने राज्य में 'देवस्वम बोर्ड' के पुनर्गठन का वादा किया है, जो मंदिर प्रबंधन से जुड़ा अहम मुद्दा है। इसके अलावा सबरीमाला से जुड़े कथित 'सोना चोरी' मामलों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का वादा किया गया है। यह कदम राज्य के धार्मिक और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया माना जा रहा है। घोषणापत्र जारी करने के दौरान राजग के सहयोगी दलों की मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा केरल की पारंपरिक दो-ध्रुवीय राजनीति एलडीएफ और यूडीएफ को चुनौती देने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। साबू जैकब और तुषार वेल्लापल्ली जैसे नेताओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि गठबंधन स्तर पर भी भाजपा अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

दरअसल, चुनाव प्रचार को धार देने के लिए भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने तिरुवनंतपुरम के अटिंगल में आज एक रोड शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखी गई। अगले दिन बुधवार को मट्टानूर और कुथुपरम्बा में भी उनके दो बड़े रोड शो आयोजित किए जाएंगे। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह घोषणापत्र केवल चुनावी वादों का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित केरल के निर्माण की एक विस्तृत रूपरेखा है, जो राज्य के विकास को राष्ट्रीय स्तर की नीतियों से जोड़ने का प्रयास करती है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं भाजपा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, कल्याणकारी योजनाओं और आक्रामक प्रचार अभियान के जरिए खुद को एक मजबूत तीसरे विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है।

घोषणा पत्र की खास बातें-केरल में गरीब परिवारों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलिंडर दिए जाएंगे। एक ओणम के दौरान और दूसरा सिलिंडर क्रिसमस के दौरान। मुल्लापेरियार बांध के मुद्दे पर घोषणापत्र में तमिलनाडु के लिए पानी और केरल की सुरक्षा का वादा। जरूरतमंद महिलाओं के लिए 'भक्ष्य आरोग्य सुरक्षा कार्ड' का वादा, जिसमें दवाइयों और राशन के लिए हर महीने 2,500 रुपये का रिचार्ज मिलेगा। तिरुवनंतपुरम को कन्नूर से जोड़ने वाले एक हाई-स्पीड रेलवे नेटवर्क का भी वादा। सबरीमाला और गुरुवायुर जैसे पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए देवस्वम बोर्डों का पुनर्गठन किया जाएगा। केरल के हर घर को हर महीने 20 हजार लीटर मुफ्त पानी। जरूरतमंद महिलाओं, विधवाओं और 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को हर महीने 3000 रुपये की कल्याण पेंशन।

असम में अब विकास और आधारभूत संरचना की होती है बात : राजनाथ सिंह

गोलाघाट (असम)। असम विधान सभा चुनाव 2026 के मद्देनजर मंगलवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी सभाओं में हिस्सा लेते हुए भाजपा सरकार के पूर्वोत्तर के विकास के लिए उठाए गये कदमों को गिनाया। उन्होंने कहा कि अब असम में विकास और आधारभूत संरचना की बात होती है।

रक्षा मंत्री सिंह आज शोणितपुर जिले के तेजपुर और गोलाघाट जिला के देरगांव विधान सभा क्षेत्रों में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देरदाव में चुनावी सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि कांग्रेस के कुशासन में असम की पहचान अशांति और इन्सर्जेंसी के साथ जुड़ी थी। कांग्रेस ने असम समेत पूर्वोत्तर की अनदेखी की लेकिन अब असम में आधारभूत संरचना की बात होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर अपराध, अलगाववाद, नक्सलवाद और उग्रवाद से निकलकर प्रगति, विकास और समृद्धि की राह पर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में दशकों तक भ्रष्टाचार चरम पर था, लेकिन आज 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के तहत असम के लोगों को सुरक्षा, सम्मान और गरिमा वापस मिली है। कांग्रेस असम में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाकर वोट बैंक मजबूत करना चाहती है।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के द्वारा राज्य में चलाए गये विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगली सरकार में इसे और तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

सेमीकंडक्टर प्लांट 14 महीनों में तैयार हुआ, भारत बनेगा वैश्विक हब: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को अहमदाबाद के साणंद जीआईडीसी स्थित केयन्स सेमीकॉन संयंत्र के उद्घाटन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर इंजीनियर का सपना साकार हो रहा है और भारत तेजी से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना रहा है।

उन्होंने कहा कि महज 14 महीनों में फाउंडेशन से लेकर कमर्शियल प्रोडक्शन की शुरुआत होना प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और राज्य सरकार के सतत प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि भारत के औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वैष्णव ने बताया कि 28 फरवरी को पहले प्लांट का उद्घाटन हुआ था, जबकि 31 मार्च को दूसरे प्लांट का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि जुलाई तक तीसरा प्लांट भी शुरू हो जाएगा। वर्ष 2026 तक चार सेमीकंडक्टर प्लांट तैयार हो जाएंगे और 2027 तक दो और प्लांट शुरू होंगे। इसके अलावा, धोलेरा में भारत की पहली सेमीकंडक्टर फैक्ट्री 2028 तक तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने गुणवत्ता और लागत प्रतिस्पर्धा पर जोर देते हुए कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर टिके रहने के लिए इन दोनों पहलुओं में श्रेष्ठता हासिल करनी होगी। उन्होंने बताया कि देश में करीब 60,000 इंजीनियरों को उन्नत चिप डिजाइन टूल्स जैसे सिपनोपिस और केडेंस पर प्रशिक्षण दिया गया है और 315 विश्वविद्यालयों में यह क्षमता विकसित की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज दुनिया की अग्रणी कंपनियां भारत में 2 नैनोमीटर तक की अत्याधुनिक चिप्स का डिजाइन कर रही हैं। 'डिजाइन इन इंडिया' और 'मेक इन इंडिया'के तहत पूरा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम देश में विकसित हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 'सेमीकॉन 2.0' के तहत प्रधानमंत्री ने स्पष्ट दिशा दी है कि सेमीकंडक्टर से जुड़े केमिकल्स, गैसेस और मशीनरी का निर्माण भी भारत में ही होना चाहिए, ताकि देश पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बन सके। वैष्णव ने विश्वास जताया कि वर्ष 2032 तक भारत दुनिया के शीर्ष छह सेमीकंडक्टर देशों में शामिल होगा और 2047 तक शीर्ष तीन देशों में अपनी जगह बनाएगा।

बीसीसीआई से जुड़े एक ब्रिटिश ब्रॉडकास्ट इंजीनियर की मुंबई के होटल में मौत

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे एक ब्रिटिश नागरिक का शव मुंबई के ट्राइडेंट होटल में उनके कमरे में मिला। मृतक की पहचान इयान विलियम्स लैंगफोर्ड (76) के रूप में हुई है। इस मामले की छानबीन मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इयान विलियम्स लैंगफोर्ड आईपीएल मैचों की कवरेज के सिलसिले में 24 मार्च से ट्राइडेंट होटल में रुके हुए थे। 29 मार्च को मैच खत्म होने के बाद इयान अपने होटल के कमरे में लौट आए। एक दिन बाद 30 मार्च को, जब रिसेप्शनिस्ट ने उनके कमरे में फोन किया, तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद होटल का स्टाफ उन्हें देखने गया। स्टाफ को अंदर से कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने मास्टर चाबी से कमरा खोला और इयान को फर्श पर पड़ा हुआ पाया। होटल के इन-हाउस डॉक्टर को इसकी सूचना दी गई, जिन्होंने जांच के बाद इयान को उन्हें मृत घोषित कर दिया। मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

अवैध गतिविधि में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लाया गया है एफसीआरए विधेयक: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। विदेशी अंशदान (विनियमन) (एफसीआरए) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर विपक्षी दलों के आरोपों को खारिज करते हुए केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि किसी भी अवैध गतिविधियों में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए यह विधेयक लाया गया है।

मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि केरल में वामदलो और कांग्रेस द्वारा कुछ अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि भारत सरकार विभिन्न धार्मिक संगठनों की गतिविधियों को रोकने के लिए एफसीआरए संशोधन विधेयक ला रही है। लेकिन प्रस्तावित संशोधन विधेयक केवल भारत में विदेशी धन के विनियमन के लिए, किसी भी अवैध गतिविधि में धन के

दुरुपयोग को रोकने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि विदेशों से अवैध रूप से पैसा आता है और उसका इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ किया जाता है। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हित में प्रस्तावित संशोधन लेकर सरकार लाई है।

किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया कि वामपंथी दल और कांग्रेस प्रस्तावित संशोधनों को लेकर झूठी अफवाहें फैला रहे हैं, क्योंकि वे केरल विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा को मिल रहे भारी जनसमर्थन से भयभीत हैं। यह विधेयक किसी भी धार्मिक समूह के खिलाफ नहीं है।

उन्हें इस तरह के झूठ फैलाना बंद कर देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। पेश करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि इस विधेयक का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और विदेशों से प्राप्त धन का उचित उपयोग सुनिश्चित करना है।इस विधेयक के प्रावधानों के तहत विदेशी धन के माध्यम से जबरन धर्म परिवर्तन में लिप्त व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा की 'उज्ज्वला' योजना अब 'लकड़ी भाग्य' में बदली: डीके शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रसोई गैस की कमी और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की 'उज्ज्वला' योजना अब 'लकड़ी भाग्य' में बदल गई है।

मंगलवार को यहां कांग्रेस पार्टी कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने आरोप लगाया कि युद्धों का बहाना बनाकर केंद्र सरकार देश में बढ़ती महंगाई की समस्या को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने से आम जनता के साथ-साथ होटल उद्योग भी गंभीर परेशानी का

सामना कर रहा है। केंद्र की यह उज्ज्वला योजना नही बल्कि जनता को 'लकड़ी भाग्य' देने जैसा है।" उन्होंने कहा कि पेट्रोल व डीजल सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण लोगों का जीवन मुश्किल हो गया है।

ऐसे समय में राज्य सरकार की 'गारंटी' योजनाएं जनता के लिए सहारा बनी हैं। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि टोल दरों में वृद्धि और करीब 900 आवश्यक दवाओं की कीमत बढ़ाकर केंद्र सरकार ने आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'अच्छे दिन' के वादे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे दिन कहां हैं? अब तो 'कच्चे दिन' आ गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 1 अप्रैल से विभिन्न वस्तुओं के दाम बढ़ाकर केंद्र सरकार ने जनता को 'अप्रैल फूल' बना दिया है।

पीजीटी कंप्यूटर साइंस की परीक्षा दस मई को

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने पीजीटी कंप्यूटर साइंस की परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। आयोग के द्वारा जारी किए गए परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 10 मई को आयोग के द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। आयोग ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि कितने केंद्रों पर यह परीक्षा होगी। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने पीजीटी कंप्यूटर साइंस की पहली भर्ती पूरी हुए बिना ही दूसरी भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया। एचपीएससी के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब एक भर्ती पूरी नहीं हुई है और उसी की दूसरी भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। नई भर्ती में एससी पदों का वर्गीकरण भी नहीं किया गया है। हरियाणा लोक सेवा आयोग के द्वारा साल 2023 में हरियाणा कैडर के 1633 व मेवात कैडर के 78 पोस्ट के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की। भर्ती प्रक्रिया में 35 प्रतिशत क्राइटेरिया का असर यह हुआ कि इसमें केवल 39 कैंडिडेट पास हुए। करीब 5 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। वहीं खाली रहे 1672 पदों का विज्ञापन युवाओं द्वारा शोर-शराबा मचाने से पहले ही जारी कर दिया।

एंट्री टैक्स में कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं, पुरानी दरों के अनुसार यथास्थिति करेंगे बहाल : सीएम सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश और पंजाब की सीमाओं पर एंट्री टैक्स को लेकर बढ़ते विवाद के बीच हिमाचल प्रदेश सरकार ने फिलहाल यथास्थिति बहाल करने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को विधानसभा में इस मुद्दे पर बयान देते हुए कहा कि सरकार ने एंट्री टैक्स में किसी तरह की बड़ी बढ़ोतरी नहीं की है बल्कि केवल विभिन्न श्रेणियों को व्यवस्थित और तर्कसंगत बनाने के लिए बदलाव किए गए थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए अधिकारियों के साथ बैठक कर पुराने ढांचे के अनुसार व्यवस्था बहाल करने का निर्णय लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि इस मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री से भी बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। हालांकि पंजाब कांग्रेस के नेताओं राजा वडिंग और प्रताप सिंह बाजवा से इस विषय पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा किसी भी राज्य या वाहन चालकों पर

अतिरिक्त बोझ डालने की नहीं है और इस मामले को बातचीत से सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में टोल टैक्स या एंट्री टैक्स की दरों में कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं की गई है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि छह टायर वाले ट्रक की फीस पहले 320 रुपये थी और अब भी उतनी ही रखी गई है। इसी तरह 10, 12 और 14 टायर वाले डबल एक्सल ट्रकों की फीस पहले 570 रुपये थी और उसमें भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि केवल कुछ श्रेणियों में मामूली संशोधन किए गए थे। उदाहरण के तौर पर तीन एक्सल वाले वाहनों की फीस 720 रुपये से बढ़ाकर 800 रुपये की गई थी। मुख्यमंत्री के अनुसार यह श्रेणी सीमित संख्या में आने वाले भारी मशीनरी और निर्माण कार्य से जुड़े वाहनों पर लागू होती है, जिससे आम परिवहन पर ज्यादा असर नहीं पड़ता। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पहले पैसेंजर वाहनों के लिए दो अलग-अलग श्रेणियां थीं। इनमें 5 सीटर वाहनों के लिए 70 रुपये और 6 से 12 सीटर वाहनों के लिए 110 रुपये फीस निर्धारित थी।

गुजरात के सूरत में एक मकान में केमिकल ब्लास्ट के बाद आग, 5 की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत के लिंबायत क्षेत्र में मीठी खाड़ी के पास स्थित एक मकान में केमिकल में विस्फोट होने से भीषण आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है।

बताया गया एक घर में साड़ियों का काम होता था, जिसके चलते वहां ज्वलनशील केमिकल रखा गया था। केमिकल में अचानक ब्लास्ट होने से घर में जबरदस्त आग लग गई। इस हादसे में पांच लोग बुरी तरह झुलस गए, जिनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन घायलों को इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान शहनाज़ बेगम अब्दुल कलाम अंसारी (65 वर्ष), हुसा बेगम अब्दुल कलाम अंसारी (18 वर्ष),शुभान रमजान अली अंसारी (4 वर्ष), शबीना रमजान अली अंसारी (28 वर्ष),परवीन अब्दुल कलाम अंसारी (19 वर्ष)के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी।

नालंदा विवि का पतन केवल भारत नहीं, पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति थी : मुर्मू

राजगीर। बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय ने लगभग आठ शताब्दियों तक ज्ञान के एक महान केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई थी, और इसका पतन न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी क्षति थी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, ₹इसका पुनरुद्धार, आधुनिक परिवेश में विश्वविद्यालय की गौरवशाली विरासत को फिर से स्थापित करने की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रतीक है। स्नातकों को डिग्रियां प्रदान करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इस संस्थान के छात्रों को मानवता की एक ₹साझी विरासत₹ प्राप्त होती है। राष्ट्रपति ने कहा कि यहां से स्नातक होने वाले छात्रों को दो चीजें मिलती हैं – एक डिग्री और एक विरासत। जहां डिग्री उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, वहीं मानवता की जो विरासत वे यहां से पाते हैं, वह एक साझी विरासत है।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष स्नातक होने वाले छात्रों में से आधे से अधिक छात्र 30 से अधिक देशों के थे।

राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान महावीर और बुद्ध ने बिहार के इसी क्षेत्र से पूरी मानवता को अहिंसा, करुणा और प्रेम का संदेश दिया था। दीक्षांत समारोह से पहले उन्होंने पौधरोपण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया, और 'नेट-जीरो उत्सर्जन' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की सराहना की। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह परिसर एक 'नेट-जीरो परिसर' बनने की अपनी यात्रा में, स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उच्च शिक्षा संस्थानों को निश्चित रूप से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व करना चाहिए।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री वाराणसी में आयोजित एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन में हुए शामिल

मप्र और उप्र साझा विरासत के साथ आगे बढ़ रहें : सीएम यादव

- डॉ मोहन यादव ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम दुनिया के सात पवित्र स्थानों में शामिल है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनका कर्मक्षेत्र वाराणसी निरंतर आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में सुशासन का प्रतिमान स्थापित किया है।
- सीएम ने कहा कि वाराणसी की तरह उज्जैन भी धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से विशेष महत्व रखता है। दोनों राज्यों के बीच भौगोलिक रिश्ते होने के साथ-साथ सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश साझा विरासत के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

वाराणसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प के बल पर देश ने लाल सलाम को आखिरी सलाम कर दिया है। यह लोकतंत्र की स्थापना के लिए बड़ी चुनौती थी। मध्यप्रदेश भी अब नक्सल मुक्त हो चुका है। इससे प्रदेश के विकास और औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन मंगलवार को वाराणसी के छावनी क्षेत्र स्थित एक होटल में आयोजित एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि जिन लोगों ने नक्सलवाद को आगे बढ़ाया, वह भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। आज इसका अंत हो चुका है। कभी राज्य आपस में जल बंटवारा को लेकर लड़ते थे, अब ऐसा नहीं होता। मध्य प्रदेश में सुशासन की उत्कृष्ट मिसाल पेश हो रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच केन बेतवा विवाद का अंत इसी का हिस्सा है। कांग्रेस ने खूब सपने दिखाए लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे कर दिखाया। आज बुंदेलखंड की तस्वीर बदल रही है। एक हजार करोड़ रुपये के यहां विकास पर खर्च हो रहे हैं, इसमें यूपी और मध्य प्रदेश सिर्फ दस प्रतिशत तो नब्बे प्रतिशत केंद्र खर्च कर रहा है। विकास की इसी कड़ी में मध्य प्रदेश के मुरैना में सोलर परियोजना पर बड़ा काम होने जा रहा है। 2000 मेगावाट की यह परियोजना दोनों ही राज्यों के किसानों के लिए खास लाभकारी होगा। सम्मेलन में वाराणसी में हुए विकास कार्यो की सराहना करते हुए डॉ मोहन यादव ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम दुनिया के सात पवित्र स्थानों में शामिल है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनका कर्मक्षेत्र वाराणसी निरंतर आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में सुशासन का प्रतिमान स्थापित किया है। उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने भी कानून-व्यवस्था के साथ विकास की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भारत स्थिरता, संभावनाओं और भरोसे का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि वाराणसी की तरह उज्जैन भी धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से विशेष महत्व रखता है। दोनों राज्यों के बीच भौगोलिक रिश्ते होने के साथ-साथ सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश साझा विरासत के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार उद्योग और निवेश गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फोकस्ड स्वरूप में आगे बढ़ रही है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाने के बाद वर्तमान वर्ष 2026 में कृषि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर हो गया है। राज्य में औद्योगिक विकास के लिए अनंत निवेश संभावनाएं हैं। प्रदेश से 70 हजार करोड़ से अधिक का निर्यात हो रहा है। प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है। राज्य सरकार अस्पताल खोलने के लिए 1 रुपए लीज पर 30 एकड़ जमीन उपलब्ध करा रही है।

सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रदेश देश का बड़ा राज्य है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 9 साल के नव निर्माण में डबल इंजन की सरकार ने अनेक जनहितैषी निर्णय लिए हैं। प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विकास हुआ है। यहां एमएसएमई की 96 लाख ईकाइयां हैं, जो कृषि के बाद सबसे अधिक 3 करोड़ लोगों को रोजगार दे रही हैं। राज्य सरकार ने 2018 में ओडीओपी प्रोग्राम की शुरुआत की गई। ओडीओपी उत्पादकों से प्रदेश का निर्यात बढ़ा है। औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता (नंदी) ने कहा कि बाबा महाकाल के अनन्य भक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में आगमन एक सुखद सौभाग्य है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव औद्योगिक निवेश को आगे बढ़ा रहे हैं। यह सम्मेलन ओडीओपी और एमएसएमई सेक्टर में सहयोग के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस सहयोग सम्मेलन में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश का उद्देश्य एक है।

एक जिला एक उत्पाद की अवधारणा के अनुरूप हर जिले को उसके उत्पाद, कौशल और परम्परा से विशेष पहचान दिलाना और जिला स्तर पर रोजगार सृजन के साथ-साथ निर्यात में वृद्धि कर आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत करना हमारा लक्ष्य है। मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों में ओडीओपी प्रोडक्ट हैं। जिनसे लाखों कारीगर और किसान जुड़े हैं। राष्ट्रीय स्तर पर ओडीओपी में मध्यप्रदेश ने रजत पदक हासिल किया है। प्रदेश में ओडीओपी नई पहचान के रूप में स्थापित हो रहा है। उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से ओडीओपी प्रोग्राम की विस्तृत जानकारी साझा की। राज्य सरकार ओडीओपी को प्रोत्साहित करने के लिए 1500 कॉमन फैसिलिटी सेंटर भी संचालित कर रही है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी उत्तरप्रदेश के ओडीओपी प्रोडक्ट्स को सेल किया जा रहा है।

गांव कनेक्शन पोर्टल के संस्थापक तथा स्टोरी टेलर नीलेश मिश्रा ने कहा कि मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश का साझा डबल इंजन है। गांव कनेक्शन ने यूपी के जिलों से अपनी यात्रा शुरू की, जिसमें जिलों के ओडीओपी प्रोडक्ट्स को पहचान दिलवाई गई। मध्यप्रदेश का रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव देशभर के लिए एक अनोखा मॉडल बनकर सामने आया है। गांव कनेक्शन मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की साझी विरासत का डाकिया बन रहा है। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के मंत्री रवींद्र जायसवाल, जीआई टैग एक्सपर्ट पद्मश्री रजनीकांत, लघु उद्योग भारती के राजेश सिंह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के सचिव द्वय आलोक सिंह, इलैयाराजा टी भी मौजूद रहे।

भीषण हादसा: ट्रेलर की टक्कर से महिला समेत तीन की मौत,सड़क जाम

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में अहरौरा थाना क्षेत्र के रोशनहर हाइवे पर मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला, युवक और मासूम बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार ट्रेलर ने एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में मोटरसाइकिल सवार वेदवती (28) पत्नी अशोक कुमार बिन्द, अनुराग (19) पुत्र चन्द्रवती बिन्द और अनमोल बिन्द (5) पुत्र अशोक कुमार, निवासी ग्राम सोनपुर (अहिरूपुर) की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस, उप जिलाधिकारी मड़िहान और क्षेत्राधिकारी मड़िहान मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रेलर को कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने हाइवे पर जाम लगा दिया, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा लोगों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया जा रहा है।

थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्र ने बताया कि ट्रेलर को कब्जे में ले लिया गया है और मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित परिवार से बातचीत कर तहरीर ली जा रही है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

तीन करोड़ की हेरोइन-स्मैक के साथ पिता और दो बेटे गिरफ्तार, दिल्ली तक फैला था नेटवर्क

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) यूनिट ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले पिता और उसके दो बेटों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1.750 किलोग्राम हेरोइन, 950 ग्राम स्मैक बनाने में प्रयुक्त होने वाला रंग, तीन मोबाइल फोन और 87,520 रुपये नकद बरामद किए हैं।

बरामद माल की अनुमानित कीमत करीब 3.50 करोड़ रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बदायूं जिले के बिनावर थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव निवासी परमानंद उर्फ पप्पू, उसके बेटे यशवीर और रविंद्र के रूप में हुई है। तीनों को 30 मार्च की रात थाना भमोरा क्षेत्र में देवचरा-दातागंज रोड पर तख्तपुर जाने वाले मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। एएनटीएफ के मुताबिक पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था और अपर पुलिस महानिदेशक अपराध के निर्देश पर पुलिस महानिरीक्षक एएनटीएफ लखनऊ के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। बरेली यूनिट को सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर बड़ी मात्रा में स्मैक और हेरोइन की सप्लाई करने जा रहे हैं। इसके बाद टीम ने जाल बिछाकर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में मुख्य आरोपी परमानंद ने पुलिस को बताया कि उसके पिता के नाम पर पहले अफीम की खेती का लाइसेंस था। इसी दौरान उसने अफीम से क्रूड और क्रूड से स्मैक बनाने का तरीका सीख लिया। उसने बताया कि वह वर्ष 2012 से स्मैक बनाकर बेच रहा है और दिल्ली समेत आसपास के जिलों में इसकी सप्लाई करता था।

पुलिस के अनुसार परमानंद पहले भी दिल्ली से दो बार और बरेली से एक बार स्मैक की तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है। इस अवैध कारोबार में उसके दोनों बेटे यशवीर और रविंद्र भी उसका सहयोग करते थे। तीनों आरोपी इस बार भी हेरोइन और स्मैक की सप्लाई करने जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। इस मामले में थाना भमोरा में मुकदमा संख्या 169/2026 के तहत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब आरोपियों के नेटवर्क और उनसे जुड़े अन्य तस्करों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

एएनटीएफ बरेली के प्रभारी उपनिरीक्षक विकास यादव ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पहले भी मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं, जिनके आधार पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में नशे के कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा और इससे जुड़े लोगों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा।

बागै नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत

बांदा। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के पहाड़ी थाना क्षेत्र के सकरौली गांव के दो बच्चे मंगलवार को बागै नदी में नहाने के दौरान डूब गए, जिससे दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पहाड़ी थाने की पुलिस ने बताया कि सकरौली गांव के मजरा क्योटन पुरवा के रहने वाले नवल राजपूत का बेटा शिवम (9) और गोविंद राजपूत का बेटा आशीष (10) मंगलवार सुबह करीब नौ बजे बागै नदी के चकरेही घाट में नहाने गए थे, जहां अनजाने में पानी की गहराई में चले गए और दोनों की डूबने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पर पहुंचे राजापुर पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) राजकमल ने ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चों के शव पानी से बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है। पुलिस ने बताया कि हादसे की जानकारी प्रशासनिक और राजस्व अधिकारियों को दे दी गई है, ताकि पीड़ित परिवारों को सरकारी आर्थिक मदद मिल सके।

फिल्म 'शोले' जैसा मंजर: युवती से शादी की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, पुलिस ने बचाया

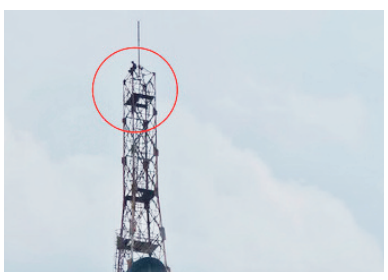

शाहजहांपुर। बॉलीवुड की मशहूर फिल्म शोले के एक प्रसिद्ध दृश्य की याद दिलाने वाली एक नाटकीय घटना के तहत उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में 23 वर्षीय युवक अपने रिश्ते की लड़की से शादी करने की मांग करते हुए एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हालांकि, यह युवक 'शोले' के वीरू (जिसकी बसंती से शादी करने की इच्छा पूरी हो गई थी) जितना भाग्यशाली नहीं रहा और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने बताया कि मामला थाना तिलहर क्षेत्र के गांव कछियानी खेड़ा का है जहां रामपाल कश्यप का 23 वर्षीय बेटा राजू पाल एक युवती से शादी की जिद पर अड़ गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले करीब आठ साल से युवती से एकतरफा प्यार करता था, लेकिन लड़की के परिवार ने इस रिश्ते से साफ इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि परिवार के इनकार से नाराज होकर राजू गांव में लगे मोबाइल टावर पर चढ़ गया और कूदने की धमकी देने लगा। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जुट गई और माहौल पूरी तरह 'फिल्मी' हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और काफी देर तक समझाने-बुझाने की कोशिश करती रही। आखिरकार पुलिस की सूझबूझ से युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी तिलहर ज्योति यादव ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को युवक मोबाइल टावर की चोटी पर चढ़ गया था और शादी की जिद कर रहा था। तिलहर थाना प्रभारी जुगल किशोर ने बताया कि युवक को फिलहाल हिरासत में लेकर निगरानी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि उसकी काउंसलिंग कराई जा रही है ताकि वह मानसिक रूप से सामान्य हो सके और भविष्य में इस तरह का कदम न उठाए।

बचत योजनाओं में मीरजापुर नंबर वन, 'डाक टीम' ने रचा इतिहास

मीरजापुर। कभी चिट्ठियों के लिए पहचाने जाने वाले डाकघर ने अब बचत योजनाओं में ऐसा कमाल किया कि पूरा प्रयागराज परिक्षेत्र पीछे छूट गया है। मीरजापुर डाक मंडल ने 28,595 खातों के साथ प्रथम स्थान हासिल कर एक नई मिसाल कायम की है। 'प्रोडक्ट वाइज ए/सी रिपोर्ट' में अव्वल रहते हुए मीरजापुर ने दिखा दिया कि टीमवर्क और सही रणनीति से सरकारी योजनाएं भी रिकॉर्ड बना सकती हैं।

इस सफलता के पीछे डाक अधीक्षक अतुल कुमार का नेतृत्व और लगातार मॉनिटरिंग अहम रही, जिसकी बदौलत उपडाकघर, शाखा डाकघर और ग्रामीण डाक सेवकों ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया। मासिक आय योजना, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना, आवर्ती जमा, सावधि जमा और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना जैसी योजनाओं में मीरजापुर मंडल ने न सिर्फ लक्ष्य पूरा किया, बल्कि उसे पार कर दिया।

इस सफलता की खास बात यह रही कि ग्रामीण इलाकों में विशेष अभियान चलाकर लोगों को बचत योजनाओं से जोड़ा गया। डाक कर्मियों ने घर-घर जाकर लोगों को समझाया, जिससे खातों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ और डाक विभाग पर लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ। डाक अधीक्षक अतुल कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय पूरी टीम को देते हुए कहा कि यह सफलता हर कर्मचारी और ग्रामीण डाक सेवक की मेहनत का परिणाम है। हम आगे भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करते रहेंगे।

एक व्यक्ति ने तलाक की मन्नत पूरी होने पर नौ किमी 'दंडवत यात्रा' कर भगवान को धन्यवाद किया

बस्ती। निजी जीवन में लंबे समय तक तनाव और वैवाहिक कलह से जूझने के बाद जब 25 वर्षीय जोगेश की ''तलाक की मन्नत'' पूरी हुई तो उसने नौ किलोमीटर की 'दंडवत यात्रा' कर भगवान को धन्यवाद किया। यह मामला जिले के सोनहा थाना क्षेत्र के नरखोरिया गांव का है, जहां जोगेश ने अपनी पत्नी से अलग होने की कामना को लेकर सिद्ध पीठ बैरवा समय माता मंदिर में प्रार्थना की थी।

जोगेश ने बताया कि उसकी शादी 2022 में हुई थी और तभी से वह वैवाहिक कलह से जूझ रहा था। उन्होंने मन्नत मांगी थी कि यदि तलाक हो गया तो वह 'दंडवत यात्रा' कर मंदिर पहुंचेंगे। जोगेश ने दावा किया कि उसकी यह मन्नत 2025 में पूरी हुई। जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 125 (पूर्व में सीआरपीसी की धारा 144) के तहत निषेधाज्ञा लागू होने के मद्देनजर जोगेश ने अनुष्ठान के लिए स्थानीय प्रशासन से अनुमति मांगी थी।

उपजिलाधिकारी (भानपुर) हिमांशु कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए उसके गांव से मंदिर तक नौ किलोमीटर की यात्रा की अनुमति दी। थाना प्रभारी महेश सिंह ने कहा, "28 मार्च को आयोजित इस यात्रा के दौरान सुरक्षा के लिए दो पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।" जोगेश ने शनिवार सुबह बिना भोजन और पानी ग्रहण किए यात्रा शुरू की और करीब 12 घंटे में इसे पूरा किया। इस दौरान उसके परिजन और ग्रामीण भी उसके साथ रहे।

नरखोरिया निवासी जोगेश दिल्ली में पीओपी (इंटीरियर डिजाइन) क्षेत्र में काम करता है। उन्होंने बताया कि शादी के बाद वह अपनी पत्नी को दिल्ली ले गए थे लेकिन कम आय व काम का समय निर्धारित नहीं होने को लेकर अक्सर विवाद होते थे, जिससे वह तनाव में रहने लगा था। जोगेश ने कहा, "कठिन समय में लिया गया संकल्प ही इस दंडवत यात्रा की प्रेरणा बना।"

नकली नोट छापने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार, एक लाख अट्ठारह हजार तीन सौ रुपये मूल्य के नकली नोट बरामद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित सराय इनायत थाना एवं सर्विलांस की टीम ने नकली नोट छापने वाले गिरोह के चार सदस्यों को सहसों चौराहे के पास से मंगलवार को गिरफ्तार किया,जबकि गिरोह का सरगना फरार हो गया । पुलिस टीम ने गिरोह के कब्जे से नकली नोट एवं छापने के उपकरण बरामद किए। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने दी।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में देवरिया जिले के रूद्रपुर थाना क्षेत्र के महाराजगंज निवासी धर्मेन्द्र कुमार पुत्र राजाराम प्रसाद, देवरिया के गौरीबाजार थाना क्षेत्र के बैतालपुर गांव निवासी नरेन्द्र यादव उर्फ विराट पुत्र रामजी यादव, नकली नोट छापने का कार्य करते थे और भदोही जिले के सुरियावां थाना क्षेत्र के गोकुल पट्टी गांव निवासी विवेक कुमार यादव पुत्र राकेश यादव एवं भदोही जिले के दुर्गागंज थाना क्षेत्र के सरायकंसराय गांव निवासी राहुल यादव पुत्र राजकुमार यादव शामिल है। हालांकि गिरोह का सरगना देवरिया जिले के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के गौरी खुर्द गांव निवासी विवेक यादव पुत्र अवध बिहारी भाग निकला। उसकी तलाश जारी है।

पूछताछ के दौरान जानकारी मिली है कि विवेक यादव जिला पंचायत सदस्य का चुनाव भी लड़ चुका है। इस गिरोह में सक्रिय सभी सदस्यों को जेल भेजा जाएगा। पुलिस टीम ने गिरोह के कब्जे से 118300 के जाली नोट, जिसमें पांच सौ के दो सौ नोट, सौ रूपये के 183 नोट बरामद किया है। इसके अतिरिक्त एक कार, एक मोटरसाइकिल, एक लैपटॉप,दो प्रिंटर, 5 मोबाइल फोन, चार लैपटॉप चार्जर, माउस सहित अन्य उपकरण बरामद किया गया है। गिरोह का सरगना विवेक यादव इससे पूर्व भी भदोही से नकली नोट मामले में जेल जा चुका है। धर्मेन्द्र कुमार भी देवरिया जिले के रामपुर करखाना थाना क्षेत्र से नकली नोट मामले में वर्ष 2019 में जेल जा चुका है। उन्होंने बताया कि सराय इनायत थानाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नकली नोट के कारोबार करने वाले प्रयागराज में सक्रिय हैं।

इस सूचना पर सर्विलांस की टीम का सहयोग लेकर जांच शुरू कर दी गई और गिरोह को पकड़ने के लिए गठित की गई टीम ने देवरिया जिले की पुलिस टीम का सहयोग लेकर वहां दबिश दी तो गिरोह का सरगना मौके से भागने में कामयाब हो गया। हालांकि पुलिस टीम ने गिरोह में सक्रिय चार सदस्यों को सोमवार देर रात गिरफ्तार किया। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पानी लेने घर से गई महिला की कुएं में गिरने से मौत

मीरजापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के रामपुर ढबही गांव में कुएं में गिरने से एक महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई है। पड़री थाना क्षेत्र के दाढ़ी राम गांव निवासी चिंतामनी अपनी पत्नी संगीता देवी (30) के साथ एक सप्ताह पूर्व उसके मायके रामपुर ढबही आए हुए थे। सोमवार शाम को संगीता कुएं पर पानी लेने गई थी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। इस पर परिजन ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई पता नहीं चला। मंगलवार सुबह परिजन दोबारा खोजबीन करते हुए कुएं के पास पहुंचे, जहां उन्होंने पानी में संगीता का उतराया शव देखा। यह देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया और आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पति चिंतामनी ने तहरीर देकर आशंका जताई है कि पानी निकालते समय पैर फिसलने से संगीता कुएं में गिर गई, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक अहरौरा अजय कुमार मिश्र ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

लव जिहाद और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के दो आरोपित गिरफ्तार

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से लव जिहाद का मामला सामने आया है। इस मामले में थाना स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनके नाम मोहम्मद अनस पुत्र मोहम्मद साबिर खान निवासी ग्राम किशनी थाना बाजार शुकुल तथा इरफान पुत्र रऊफ निवासी शेखवापुर थाना बाजार शुकुल हैं।

बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी नाबालिग लड़की के परिजनों ने थाने पर तहरीर देकर मुकदमा पंजीकृत करवाया था कि दो आरोपितों ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर प्रेम जाल में फंसाते हुए विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रहे हैं। जिस पर बाजार शुकुल थाने की पुलिस ने मामले की जांच करते हुए तत्काल सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे "ऑपरेशन चक्रव्यूह" अभियान" के तहत थाना बाजार शुकुल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया है। बाजार शुक्ल थाने के प्रभारी विवेक कुमार वर्मा ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में मोहम्मद अनस पुत्र मोहम्मद साबिर खान निवासी ग्राम किशनी थाना बाजार शुकुल तथा इरफान पुत्र रऊफ निवासी शेखवापुर थाना बाजार शुकुल शामिल हैं। दोनों अभियुक्त थाना बाजार शुकुल में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 70/26 से संबंधित मामले में वांछित थे।

इनके खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है, जिसमें 3/4 पास्को एक्ट एवं उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की धाराएं शामिल हैं। थाना बाजार शुकुल पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ सुपर जाइंट्स का पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से, ऋषभ पंत पर रहेगा दबाव

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स बुधवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 में अपने अभियान की शुरूआत करेगी तो कप्तान ऋषभ पंत पर प्रदर्शन में सुधार का काफी दबाव रहेगा । पिछले साल लखनऊ टीम के साथ बतौर कप्तान और स्टार बल्लेबाज अपने पहले साल में पंत अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके थे । प्रमुख खिलाड़ियों खासकर तेज गेंदबाजों की चोटों ने उनकी मुश्किलें और बढा दी थी ।

इस साल उनके पास पूरी तरह से फिट टीम है और मोहम्मद शमी तथा एनरिच नॉर्किया जैसे अनुभवी गेंदबाजों के आने से आक्रमण मजबूत हुआ है । अक्सर चोटिल रहने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पिछले एक साल में अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है और लखनऊ

तेज गेंदबाजी से प्रभावित किया है । स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी ने पहले साल में ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी थी और वह उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे । गेंदबाजी की तुलना में लखनऊ की बल्लेबाजी बेहतर लग रही है । मिचेल मार्श और एडेन मार्क्रम आईपीएल की सबसे खतरनाक सलामी जोड़ियों में से है । पिछले सत्र में चौथे नंबर पर कोई सात सलामी जोड़ियों को आजमाया लेकिन बात नहीं बनी । इस सत्र में उन्हें शीर्षक्रम में स्थिरता की उम्मीद होगी । केएल राहुल पारी का आगाज कमाल नहीं कर सके पंत ने तीसरे नंबर पर शतक जमाया था । वह तीसरे नंबर पर ही उतरेंगे जबकि निकोलस पूरन चौथे नंबर पर खेलेंगे । दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सत्र में दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स भी टीम में हैं । चोट के कारण मिचेल स्टार्क पहला मैच नहीं खेल सकेंगे लेकिन दिल्ली का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है । कप्तान अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे दो मैच विनर उसके पास है । उनके साथ लुंगी एंगिडि भी हैं जो टी20 विश्व कप में जबर्दस्त फॉर्म में थे ।

इस प्रकार है दोनों टीम

- **लखनऊ सुपर जाइंट्स :** ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंगलिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी
- **दिल्ली कैपिटल्स :** अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स,आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी दर, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडि, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करूण नायर, साहिल पारख ।

मैच का समय : शाम 7.30 से ।

भारतीय खेल सामान प्रदर्शनी में 75 प्रतिभागी, खेल सचिव का तेजी से विस्तार का आग्रह

नई दिल्ली। भारत को खेल सामान निर्माण क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनाने के सरकार के प्रयासों के तहत देश भर से 75 कंपनियां यहां बुधवार से शुरू हो रहे चौथी भारतीय खेल सामान प्रदर्शनी (आईएसजीएफ) में खेलों के साजो सामान , उपकरणों और परिधानों की नुमाइश करेंगी। खेल के सामान और खिलौने निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा यह प्रदर्शनी द्वारका के यशोभूमि में आयोजित की गई है जिसका उद्घाटन आज हुआ और यह दो अप्रैल तक चलेगी।

सरकार ने पहली बार सालाना बजट में खेल सामान निर्माण को बढावा देने के लिये 500 करोड़ रूपये आवंटित किये हैं। प्रदर्शनी में भाग लेने वालों , अंतरराष्ट्रीय क्रेताओं और हितधारकों को संबोधित करते हुए खेल सचिव हरिरंजन राव ने कहा कि यह भारत के खेल सामान उद्योग के विकास का सुनहरा दौर है। उन्होंने खेल सामान निर्यात को 3000 करोड़ रूपये से बढाकर 80000 करोड़ रूपये करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि अगर हमें 3000 करोड़ रूपये से 80000 करोड़ रूपये तक पहुंचना है तो हर निर्माता को 25 गुना बढोतरी करनी होगी । अगर आप बड़े सपने नहीं देखेंगे तो कभी हासिल भी नहीं कर पायेंगे। इस क्षेत्र में अभी चीन का दबदबा है जिसका बाजार में हिस्सा करीब 50 प्रतिशत है। उसके बाद अमेरिका, ताइवान, जर्मनी और वियतनाम हैं।

भारत का वैश्विक खेल सामान निर्यात बाजार में हिस्सा 0 . 5 प्रतिशत है। राव ने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत में दुनिया की सबसे बड़ी खेल सामान प्रदर्शनी का आयोजन होना चाहिये जिसमें दुनिया भर से प्रतिभागी आयें। खेल विभाग के संयुक्त सचिव विनील कृष्णा ने कहा कि निर्माण क्षेत्र को घरेलू मांग की पूरी नहीं करनी है बल्कि भारत की वैश्विक निर्यात क्षमता को भी बढाना है।

- खेल के सामान और खिलौने निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा यह प्रदर्शनी द्वारका के यशोभूमि में आयोजित की गई है।
- सरकार ने पहली बार सालाना बजट में खेल सामान निर्माण को बढावा देने के लिये 500 करोड़ रूपये आवंटित किये हैं

गांगुली ने किया पारंपरिक केंद्रों के अलावा हर जगह खेले जाने वाले मैच का समर्थन

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि ईडन गार्डंस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट हों लेकिन उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे केंद्रों पर खेले जा रहे हैं । बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह भारतीय क्रिकेट टीम के 2026 . 27 के घरेलू सत्र का ऐलान करते हुए आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर नहीं कराने का फैसला किया है । ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जायेंगे ।

गांगुली ने स्पोटर्सस्टार की किताब 'मिरेकल एट ईडन' के विमोचन से इतर कहा ,'' ईडन गार्डंस पर बड़े टेस्ट मैच होते देखना हमेशा अच्छा लगता है । कैब के अध्यक्ष और पूर्व खिलाड़ी होने के नाते मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हो लेकिन हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की

मेजबानी की थी । इसके बाद टी20 विश्व कप के मैच हुए और अब आईपीएल के मैच भी यहां हो रहे हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' हम सभी चाहते हैं कि ईडन पर ज्यादा मैच हो लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिये ।'' गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल के भीतर दूसरा टेस्ट होने जा रहा हैं ।

वहीं अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर पिछले साल अक्टूबर में ही टेस्ट हुआ था । वानखेड़े स्टेडियम पर आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था । बीसीसीआई के कैलेंडर के अनुसार कोलकाता (तीन जनवरी , 2027) और मुंबई (नौ जनवरी, 2027) में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे होंगे जबकि दिल्ली में इस साल 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ वनडे खेला जायेगा । पहली बार इस मसले पर बोलते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने कहा ,'' पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम है । चेन्नई , गुवाहाटी और रांची में टेस्ट होते देखकर अच्छा लगता है ।वहां सुविधायें काफी अच्छी है ।''

वहीं भारत के पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने कहा ,'' हमारे समय में कोलकाता, कानपुर, चेन्नई , दिल्ली और मुंबई में ही टेस्ट होते थे । उसका अपना आकर्षण था और मुझे लगता है कि फिर ऐसा ही होना चाहिये ।'' गांगुली ने इस मौके पर यह भी कहा कि ईडन गार्डंस पर 2001 की टीम के मिलने की योजना बनाई जा रही है । उन्होंने कहा ,'' हम ईडन पर यह समारोह करेंगे । इस महीने की शुरूआत में होना था लेकिन सचिन तेंदुलकर के बेटे की शादी के कारण देर हो गई ।''

अभय और अनाहत ने एशियाई स्क्वाश 2025 के पुरस्कार जीते

नई दिल्ली। भारत के अभय सिंह को एशियाई स्क्वाश महासंघ (एएसएफ) ने 2025 का 'उत्कृष्ट पुरुष खिलाड़ी' घोषित किया जबकि उभरती हुई युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह को लड़कियों के वर्ग (जूनियर) में शीर्ष सम्मान के लिए चुना गया। एएसएफ द्वारा जारी विजेताओं की सूची के अनुसार भारतीय लड़कों की टीम को 'पुरुष टीम पुरस्कार' के लिए चुना गया है जिसने मिस्त्र में आयोजित 2025 विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

अभय वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज हैं। वह कई बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुके हैं और एशियाई चैंपियनशिप के विजेता भी हैं। वह उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पिछले साल भारत को पहला 'विश्व कप मिश्रित टीम' खिताब दिलाया था। विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत भी कई बार एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं। 2025 में उन्होंने काहिरा में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और वह भारत की स्वर्ण पदक विजेता विश्व कप मिश्रित टीम का भी हिस्सा रही थीं।

इससे पहले भारतीय खिलाड़ी 2022 में एएसएफ की वार्षिक पुरस्कार सूची में शामिल हुए थे जब सौरव घोषाल और जोशना चिनप्पा ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था।

फिडे कैंडिडेट्स 2026, राउंड 2: प्रज्ञानानंद ने ड्रॉ खेलकर संयुक्त बढ़त बरकरार रखी

दिव्या देशमुख और वैशाली का मुकाबला भी ड्रॉ

नई दिल्ली। फिडे कैंडिडेट्स 2026 के दूसरे राउंड में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने शानदार लय बरकरार रखते हुए ड्रॉ खेला और अंक तालिका में संयुक्त बढ़त बनाए रखी। उन्होंने चीन के वेई यी के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेला। इससे पहले प्रज्ञानानंद ने पहले राउंड में उच्च रैंकिंग वाले अनिश गिरी को हराकर शानदार शुरुआत की थी। वेई यी ने मुकाबले की शुरुआत पेट्रोफ डिफेंस से की, जिससे खेल की संरचना संतुलित और जटिल हो गई।

प्रज्ञानानंद ने अपने रुख और छोटे मोहरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए किसी भी तरह के आक्रमण को निष्क्रिय कर दिया। दोनों खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में उच्च स्तर की सटीकता दिखाई और समय नियंत्रण के करीब पहुंचते-पहुंचते मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हो गया। महिला वर्ग में ऑल-इंडियन मुकाबले में दिव्या देशमुख और आर वैशाली के

बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जो अंततः ड्रॉ पर खत्म हुआ। दिव्या ने ठोस रणनीति अपनाते हुए अपने नाइट के इर्द-गिर्द खेल को आगे बढ़ाया और वैशाली पर लगातार दबाव बनाए रखा।

हालांकि, इस मुकाबले की सबसे बड़ी बात वैशाली की समय की स्थिति रही। वह जल्दी ही समय के दबाव में आ गईं और उन्हें पहले सत्र के अंतिम चरण में सिर्फ 30 सेकंड की वृद्धि (इंक्रीमेंट) के साथ खेलना पड़ा। उन्होंने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए मुकाबला ड्रॉ कराया, जो उनके लिए मनोबल बढ़ाने वाला साबित हुआ, जबकि दिव्या के लिए यह एक चूका हुआ मौका रहा। अन्य मुकाबलों की बात करें तो ओपन वर्ग में मैथियास ब्लूबाउम और जावोखिर सिंदारोव के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। वहीं फैबियानो कारुआना और अनिश गिरी का मैच भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ। हिकारू नाकामुरा और आंद्रेई एसिपेंको ने भी अंक बांटे।

महिला वर्ग के एक अन्य मुकाबले में झू जिनर लंबे समय तक बढ़त में नजर आईं, लेकिन अंत में बिबिसारा अस्साउबायेवा के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

नया आयकर कानून एवं कई बजटीय प्रावधान एक अप्रैल से होंगे लागू

नई दिल्ली। नए आयकर कानून और अन्य बजटीय प्रावधान एक अप्रैल से लागू होंगे। इन बजटीय प्रावधान में वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) व्यापार पर उच्च प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) और चिकित्सा तथा शिक्षा उद्देश्यों के लिए विदेशी पर्यटन पैकेज एवं एलआरएस प्रेषणों पर कम टीसीएस शामिल हैं। इसके अलावा, भारत में डेटा सेंटर सेवाएं लेने वाली विदेशी कंपनियों को 2047 तक 20 वर्ष की कर छूट और सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए 'सेफ हार्बर' प्रावधानों की सीमा बढ़ाने से संबंधित बजट घोषणाएं भी वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ बुधवार से प्रभावी हो जाएंगी। आयकर अधिनियम, 2025 एक अप्रैल 2026 से आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा। नए कानून का उद्देश्य उसी कर नीति को अधिक तार्किक, सुलभ एवं पाठक-अनुकूल प्रारूप में प्रस्तुत करना है।

आयकर विभाग ने कहा कि बदलाव अवधि

(जो पुराने कानून की अवधि से संबंधित है) के लिए जुलाई 2026 में रिटर्न दाखिल करने वाले करदाता पुराने कानून के तहत निर्धारित प्रपत्रों का ही उपयोग करेंगे। कर वर्ष 2026-27 के लिए अग्रिम कर भुगतान जो जून 2026 से शुरू होगा..उसे नए कानून के अनुसार किया जाएगा। आयकर अधिनियम, 2025 में आकलन वर्ष और पूर्व वर्ष के अंतर को समाप्त कर एकल 'कर वर्ष' व्यवस्था लागू की गई है। साथ ही, समय सीमा के बाद आयकर रिटर्न दाखिल होने पर भी टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) की वापसी बिना किसी दंड शुल्क के लेने की अनुमति दी गई है। एक अप्रैल से लागू होने वाला एक अन्य बड़ा बदलाव वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) सौदों पर एसटीटी में वृद्धि है। वायदा अनुबंधों पर एसटीटी 0.02 प्रतिशत से बढ़कर 0.05 प्रतिशत हो जाएगा। विकल्प प्रीमियम एवं विकल्प के प्रयोग पर एसटीटी क्रमशः 0.1 प्रतिशत और 0.125 प्रतिशत से बढ़कर 0.15 प्रतिशत हो जाएगा।

एसटीटी में यह बढ़ोतरी इक्विटी बाजार के एफएंडओ खंड में सट्टेबाजी को सीमित करने और छोटे निवेशकों को भारी नुकसान से बचाने के उद्देश्य से की गई है। इक्विटी डेरिवेटिव (एफएंडओ) खंड में कारोबार करने वाले व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या 2024-25 में 1.06 करोड़ थी जो 2025-26 में (30 दिसंबर 2025 तक) घटकर लगभग 75.43

> "आयकर विभाग ने कहा कि बदलाव अवधि के दौरान उसका ई-फाइलिंग मंच पुराने और नए दोनों आयकर कानूनों के तहत अनुपालन की सुविधा देगा। साथ ही, पिछले वर्षों से संबंधित सभी आकलन, अपील एवं अन्य कार्यवाही अंतिम निपटान तक पुराने कानून के तहत ही जारी रहेंगी।

लाख रह गई। सेबी के अध्ययन 'इक्विटी डेरिवेटिव खंड में वृद्धि बनाम नकद बाजार' के अनुसार, 2024-25 में व्यक्तिगत निवेशकों को 1.05 लाख करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध नुकसान हुआ। विदेशी यात्रा पैकेज और उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत चिकित्सा व शिक्षा के लिए भेजी जाने वाली राशि पर टीसीएस (स्रोत पर एकत्रित कर) में कमी का उद्देश्य मध्यम वर्ग को राहत देना है। विदेशी यात्रा पैकेज पर टीसीएस 20 प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है।

चिकित्सा और शिक्षा के लिए प्रेषण पर टीसीएस पांच प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत होगा। इसके अलावा, बजट में घोषित 20 वर्ष की कर छूट से घरेलू डेटा सेंटर कंपनियों को भी बड़ा लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि इससे वे वैश्विक ग्राहकों को सेवाएं देते समय उनकी विदेशी आय पर भारत में कर लगने के जोखिम से बच सकेंगी। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में यह प्रावधान किया गया है कि भारत में डेटा सेंटर सेवाएं लेने वाली किसी भी विदेशी कंपनी को 2047 तक 20 वर्ष की कर छूट मिलेगी, जिससे उनकी वैश्विक आय पर भारतीय कर अधिकारियों द्वारा कर लगाए जाने की आशंकाएं दूर होंगी।

चाहे कोई वैश्विक कंपनी भारत में अपना डेटा सेंटर स्थापित करे या किसी भारतीय डेटा सेंटर से सेवाएं ले, दोनों स्थितियों में कर व्यवस्था समान रहेगी जिससे प्रतिस्पर्धा के लिए समान अवसर सुनिश्चित होगा। भारत में प्रभावी कॉरपोरेट कर दर 25.17 प्रतिशत है। इसके साथ ही आईटी सेवाओं के लिए 'सेफ हार्बर' सीमा को 300 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इससे आईटी/आईटीईएस क्षेत्र को अधिक निश्चितता मिलेगी एवं मुकदमेबाजी में कमी आने की उम्मीद है। आईटी सेवाओं के लिए 'सेफ हार्बर' एक कर व्यवस्था है जो ''ट्रांसफर प्राइसिंग'' विवादों को कम करने के लिए बनाई गई है। कोई भारतीय आईटी कंपनी जिस कीमत पर अपनी किसी विदेशी शाखा को सेवाएं बेचती है उसे ''ट्रांसफर प्राइसिंग'' कहते हैं।

अमेरिका में पेट्रोल की कीमत चार डॉलर प्रति गैलन के पार 2022 के बाद सबसे अधिक

न्यूयॉर्क। ईरान युद्ध के बीच वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से अमेरिका में पेट्रोल की कीमत 2022 के बाद पहली बार औसतन चार डॉलर प्रति गैलन से अधिक हो गई है। वाहन कंपनियों के संघ 'एएए' के अनुसार, नियमित पेट्रोल की राष्ट्रीय औसत कीमत अब 4.02 डॉलर प्रति गैलन हो गई है जो युद्ध शुरू होने से पहले की तुलना में एक डॉलर से अधिक है।

इससे पहले रूस के यूक्रेन पर हमला करने के दौरान करीब चार वर्ष पहले अमेरिका में पेट्रोल इतना महंगा हुआ था। यह कीमत राष्ट्रीय औसत है जिसका अर्थ है कि कुछ राज्यों में लोग काफी समय से चार डॉलर प्रति गैलन से अधिक का भुगतान कर रहे हैं। राज्यों के बीच कीमतें कर दरों में अंतर के कारण अलग-अलग होती है। अमेरिका और इजराइन के 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य कार्रवाई शुरू

होने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और बढ़ोतरी हुई है। इस संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुए हैं और पश्चिम एशिया के प्रमुख तेल उत्पादकों ने उत्पादन में कटौती भी की है जिससे कीमतों पर दबाव बढ़ा है। एएए के अनुसार, डीजल अब औसतन 5.45 अमेरिकी डॉलर प्रति गैलन पर बिक रहा है, जो युद्ध शुरू होने से पहले लगभग 3.76 अमेरिकी डॉलर प्रति गैलन था। डीजल का इस्तेमाल कई मालढुलाई और डिलिवरी ट्रक में ईंधन के रूप में किया जाता है।

आरबीआई ने अधिग्रहण वित्तपोषण दिशानिर्देशों के क्रियान्वयन को तीन महीने के लिए टाला

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हितधारकों की प्रतिक्रिया के बाद अधिग्रहण वित्तपोषण संबंधी दिशानिर्देशों के क्रियान्वयन को तीन महीने के लिए टालते हुए इसकी नई प्रभावी तिथि एक जुलाई 2026 तय की है। केंद्रीय बैंक ने सोमवार को कहा कि उसने पूंजी बाजार जोखिम से संबंधित संशोधन निर्देशों के ढांचे में भी बदलाव किया है, जिसकी घोषणा पहली बार 13 फरवरी को की गई थी।

आरबीआई ने परामर्श प्रक्रिया के बाद ये दिशानिर्देश जारी किए थे, जिनके तहत घरेलू ऋणदाताओं को अधिग्रहण के लिए वित्त उपलब्ध कराने की अनुमति दी गई थी। केंद्रीय बैंक ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी दी, '' हितधारकों के साथ आगे की चर्चा और समीक्षा के आधार पर यह निर्णय लिया गया है कि उक्त संशोधन निर्देशों की प्रभावी तिथि को तीन महीने बढ़ाकर एक जुलाई 2026 कर दिया जाए।''

इन सोमवार को घोषित संशोधनों में अधिग्रहण वित्तपोषण की परिभाषा में बदलाव किया गया है, जिसमें अब विलय एवं समामेलन को भी शामिल किया गया है। साथ ही ऋण देने को केवल गैर-वित्तीय इकाई के अधिग्रहण तक सीमित किया गया है। अधिग्रहण करने वाली कंपनी को भारत या विदेश में स्थापित अपनी अनुषंगी कंपनी को लक्ष्य कंपनी के अधिग्रहण के लिए आगे ऋण देने हेतु अधिग्रहण वित्तपोषण लेने की अनुमति दी गई है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि अधिग्रहण वित्तपोषण का पुनर्वित्त केवल तभी किया जा सकेगा जब अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो जाए और अधिग्रहण करने वाली कंपनी द्वारा लक्ष्य कंपनी पर नियंत्रण स्थापित हो जाए। साथ ही यह पुनर्वित्त केवल अधिग्रहण वित्तपोषण के ऋण को चुकाने के लिए ही इस्तेमाल किया जाएगा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यदि अधिग्रहण वित्तपोषण अधिग्रहण करने वाली कंपनी की अनुषंगी इकाई या विशेष इकाई को दिया जाता है, तो अधिग्रहण करने वाली कंपनी की कॉरपोरेट गारंटी आवश्यक होगी।

आरबीआई ने कहा कि इन दिशानिर्देशों का एक उद्देश्य यह भी है कि शेयर, रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) और इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट (इनविट) की इकाइयों के विरुद्ध लोगों को दिए जाने वाले ऋण की सीमा को युक्तिसंगत बनाया जाए तथा पूंजी बाजार मध्यस्थों को ऋण देने के लिए अधिक सिद्धांत-आधारित ढांचा स्थापित किया जाए।

इंडिगो ने आईएटीए के प्रमुख विलियम वॉल्श को सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विलियम वॉल्श को अपना नया सीईओ नियुक्त करने की मंगलवार को घोषणा की। यह घोषणा इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के पिछले साल दिसंबर में अचानक इस्तीफा देने के लगभग तीन सप्ताह बाद की गई है। वॉल्श को आमतौर पर 'विली' के नाम से जाना जाता है। वह इससे पहले ब्रिटिश एयरवेज और इंटरनेशनल एयरलाइंस ग्रुप (आईएजी) के सीईओ रह चुके हैं। आईएजी एक होल्डिंग कंपनी है जिसके तहत एयर लिंगस, ब्रिटिश एयरवेज, आइबेरिया, लेवल और वुएलिंग जैसी विमानन कंपनियां संचालित होती हैं। इंडिगो की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह नियुक्ति नियामकीय स्वीकृतियों के अधीन है। वॉल्श का आईएटीए में कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा है और उनके तीन अगस्त तक कार्यभार संभालने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) इंडिगो, एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट सहित एयरलाइन कंपनियों का वैश्विक समूह है।

भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल चीन दौरे पर, नए व्यापारिक अवसरों पर हुई चर्चा

शंघाई। शबीजिंग, 31 मार्च (भाषा) भारत का एक कारोबारी प्रतिनिधिमंडल इन दिनों चीन की यात्रा पर है और वहां अपने समकक्ष संगठनों के साथ बातचीत कर रहा है। यह पांच साल के अंतराल के बाद इस तरह की पहली यात्रा है। चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) की पंजाब, हरियाणा, दिल्ली इकाई के सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल 29 मार्च से चार अप्रैल तक शंघाई और चीन के जियांगसू प्रांत की यात्रा पर है। ये दोनों शहर चीन के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है।

पूर्वी लद्दाख में 2020 में सैन्य गतिरोध के बाद दोनों देशों के संबंधों में आई खटास से पिछले पांच वर्ष से ऐसी यात्राएं बंद थीं। पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य होने के बाद यह पहला भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल है, जो चीन पहुंचा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच 2024 और 2025 में ब्रिक्स तथा शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलनों के इतर हुई बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों में सुधार की प्रक्रिया तेज हुई।

शंघाई में भारत के महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने मंगलवार को पीएचडीसीसीआई प्रतिनिधिमंडल और पूर्वी चीन की प्रमुख कंपनियों तथा वित्तीय संस्थानों के साथ व्यापार गोलमज बैठक आयोजित की जिसमें भारतीय व्यवसायों के साथ सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की गई। माथुर ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है और देश की युवा आबादी अंतरराष्ट्रीय साझेदारी एवं निवेश के लिए बड़े अवसर उत्पन्न करती है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), संपर्क एवं अवसंरचना विकास तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत में तेजी से अवसर बढ़ रहे हैं जो वैश्विक कंपनियों के साथ सहयोग के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रदान करते हैं।

बयान के अनुसार, पीएचडीसीसीआई प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा शंघाई, झेजियांग और जियांगसू जैसे क्षेत्रों में भारतीय कारोबारियों एवं उद्योग जगत के बीच सहयोग तथा संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

अलिया भट

का पत्ता साफ! 'राजी' रीमेक में यामी गौतम निभा सकती हैं सहमत का रोल

मुंबई। 'राजी' के रीमेक को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। लेखक हरिंदर सिक्का ने यामी गौतम को लेकर बड़ा बयान दिया और मेघना गुलजार पर भी नाराजगी जताई। फिल्म धुरंधर 2 के बढ़ते क्रेज के बीच अब एक और दिलचस्प बहस छिड़ गई है। लेखक हरिंदर सिक्का ने अपनी चर्चित कहानी 'कॉलिंग सहमत' पर बनी फिल्म राजी को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिससे रीमेक की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने हरिंदर सिक्का से 'राजी' के रीमेक को लेकर सवाल किया और सुझाव दिया कि इस बार यामी गौतम को मुख्य भूमिका में लिया जाए। यूजर ने यह भी कहा कि असली कहानी बिना किसी बदलाव के दर्शकों तक पहुंचनी चाहिए। इस पर लेखक ने जवाब देते हुए कहा कि उन्हें पैसों की जरूरत नहीं है, लेकिन उन्होंने यामी गौतम की तारीफ करते हुए उन्हें बेहतरीन अभिनेत्री बताया। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उनका सर्वश्रेष्ठ काम अभी आना बाकी है। जब एक अन्य यूजर ने पूछा कि क्या रीमेक बनने वाला है, तो सिक्का ने 'नो कमेंट' कहकर जवाब दिया। उनके इस छोटे से जवाब ने ही सोशल मीडिया पर अफवाहों का बाजार गर्म कर दिया है। हालांकि, अब तक किसी आधिकारिक घोषणा की पुष्टि नहीं हुई है। इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा लेखक के उस बयान की हो रही है, जिसमें उन्होंने डायरेक्टर मेघना गुलजार को चुनने को अपनी 'सबसे बड़ी गलती' बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से चेतावनी दी गई थी, लेकिन वह यह समझ नहीं पाए कि निर्देशक का नजरिया कहानी के मूल भाव को प्रभावित कर सकता है। उनके मुताबिक, फिल्म में मुख्य किरदार की असल भावना को पूरी तरह नहीं दिखाया गया। हालांकि, इन विवादों के बावजूद राजी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। इस फिल्म में आलिया भट्ट, विक्की कौशल और जयदीप अहलावत जैसे कलाकार नजर आए थे। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से शानदार रिस्पॉन्स मिला था। फिलहाल, 'राजी' के रीमेक को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन हरिंदर सिक्का के बयानों ने फैंस के बीच उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में इस प्रोजेक्ट को लेकर क्या नया अपडेट सामने आता है।

इवेंट में कृति सेनन के बोल्ड अंदाज ने खींचा सबका ध्यान

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन पुनः अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री का अंदाज पिंकविला स्क्रीन एंड स्टाइल अवार्डस 2026 के रेड कार्पेट पर इस बार पहले से ज्यादा बोल्ड नजर आया। उनकी एंट्री ने साफ कर दिया कि अब वह फैशन के मामले में नए प्रयोग करने से बिल्कुल नहीं हिचकतीं। उनका पूरा लुक सादगी और ग्लैमर का शानदार मिश्रण था, जिसने वहां मौजूद सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस खास मौके पर कृति ने मशहूर डिजाइनर नैंसी डोजाका की डिजाइन की हुई एमराल्ड ग्रीन गाउन पहनी थी, जो बेहद आकर्षक और यूनिक नजर आ रही थी। गाउन का सॉफ्ट और हल्का शाइनी फैब्रिक लाइट में खूबसूरत चमक दे रहा था, जिससे उनका लुक और भी रिच लग रहा था। गहरे हरे रंग की वजह से यह आउटफिट रेड कार्पेट पर तुरंत अलग दिखाई दिया और उनकी पर्सनैलिटी को और निखार गया। डिजाइन में मॉडर्न और एलिगेंस का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला।

इस गाउन की खासियत इसके डिटेलिंग में छिपी थी। पतली स्ट्रैप्स और बीच में दिया गया स्टाइलिश कट-आउट इसे हल्का बोल्ड टच देता है, जबकि इसकी फिटिंग और फ्लोइंग स्टाइल इसे क्लासी बनाए रखते हैं। कमर पर फिट और नीचे की ओर फ्लो करता डिजाइन उनके फिगर को बेहद खूबसूरती से हाइलाइट कर रहा था। यह लुक इस बात का शानदार उदाहरण है कि कैसे एक आउटफिट में बोल्डनेस और एलिगेंस दोनों को साथ रखा जा सकता है। स्टाइलिंग की बात करें तो कृति ने अपने लुक को ज्यादा ओवरडन नहीं किया। हल्के नेकलेस और स्टाइलिश रिंग्स के साथ उन्होंने ज्वेलरी को मिनिमल रखा, जिससे गाउन ही मुख्य आकर्षण बना रहा। सॉफ्ट वेव्स हेयरस्टाइल और नैचुरल ग्लो मेकअप ने उनके पूरे लुक को फ्रेश और एलिगेंट टच दिया। सबसे खास बात यह रही कि कृति ने इस आउटफिट को पूरे आत्मविश्वास के साथ कैरी किया। उनका एटीट्यूड और प्रेजेंस इस लुक को और भी खास बना रहा था।

सिनेमा 04 नाटककार आलोक शुक्ला के नए नाटक आजादी के सिंदूरी रंग का लोकार्पण

मुंबई। आगामी वेब सीरीज 'ब्यूरोक्रेट' के मुंबई के वसई में हो रहे शूट के दौरान एक विशेष सांस्कृतिक अवसर देखने को मिला, जब प्रख्यात नाटककार, निर्देशक एवं अभिनेता आलोक शुक्ला के नवीन नाटक 'आजादी के सिंदूरी रंग' का लोकार्पण किया गया।

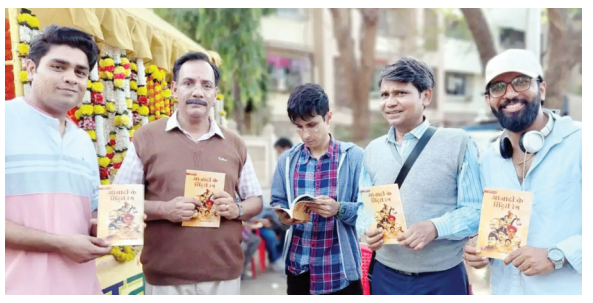

इस अवसर पर वेब सीरीज 'ब्यूरोक्रेट' के लेखक-निर्देशक संदीप जैन, प्रमुख अभिनेता अमोल पाराशर, शुभ्रज्योति बराट एवं देवस ने संयुक्त रूप से इस कृति का लोकार्पण किया। नाटक 'आजादी के सिंदूरी रंग' देशभक्ति, बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम की भावनाओं को सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। इस नाटक की भव्य प्रस्तुति एलटीजी सभागार नई दिल्ली में 11 अगस्त 2025 को सुनील चौहान और साक्षी चौहान के निर्देशन में हुई थी। नाटककार आलोक शुक्ला का यह 16वां मंच नाटक है। इसके पूर्व उनके तीन नाट्य संग्रहों के साथ एक रंग संस्मरण, एक शोध ग्रंथ और एक काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुका है।

लोकार्पण समारोह के दौरान सभी ने नाटक की विषयवस्तु और उसकी प्रासंगिकता की सराहना की तथा आलोक शुक्ला के रचनात्मक योगदान को विशेष रूप से सराहा। यह आयोजन फिल्म और रंगमंच के संगम का एक सुंदर उदाहरण बना, जहां सिनेमा और थिएटर की दुनिया एक साथ आई और कला के प्रति अपने साझा प्रेम को अभिव्यक्त किया।